बच्चे हर जगह यीशु के
साथ चलते हैं

चुनौती
छोटे समूहों
के लिए

सुविधा प्रदानकर्ता का लेख

7 सत्र जो हमें चुनौती देते हैं हमारे अपने
संदर्भ का पता लगाने, हमारी सोच को बढ़ाने,
और नई नई सम्भावनाओं की खोज करने
ताकि हमारे समुदाय में, हम देखने पाएँ

रुकिए और सोचिए

बच्चे

उन्हें परमेश्वर की दृष्टिकोण से देखना

रुकिए हर बच्चा विशेष रूप से परमेश्वर के स्वरूप में बनाया गया है और वह उनसे प्रेम करता है। यदि हम यीशु के साथ चलने में उनकी मदद करना चाहते हैं तो हमें उन्हें जानने और मूल्यवान समझने की आवश्यकता है जैसे वह करता है।

सोचिए मैं अपने आस-पास के बच्चों को कितनी अच्छी तरह से जानता हूँ, उनकी दुनिया को समझता हूँ और चाहता हूँ कि उनकी आवाजें सुनी जाए और उन पर अमल किया जाए?

हर जगह

उनकी दुनिया में प्रवेश करना

रुकिए टूटे हुए परिवेश में बच्चों की सुरक्षा और पोषण की कमी है जिनकी उन्हें जरूरत होती है। अच्छा चरवाहा चाहता है कि बच्चे हरी चराइयों और शान्त जल के बीच चलें फिरें जहाँ वे बढ़ सकते हैं।

सोचिए क्या हम सुरक्षा और पोषण के वातावरण बना रहे हैं जहाँ बच्चे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के मध्य में भी बढ़ सकते हैं?

यीशु

दूसरों को यीशु से मिलाना

रुकिए जैसे-जैसे बच्चे यीशु के साथ चलते हैं, वे उसे और उसके आशा के संदेश को दुनिया में लाते हैं। वे उसे उन जगहों और तरीकों से बता सकते हैं जो बड़े लोग नहीं कर सकते हैं।

सोचिए क्या मैं उस योगदान की ओर देख रहा हूँ जो बच्चे महान आज्ञा के लिये दे सकते हैं?

के साथ

सम्बन्धों के माध्यम से बढ़ना

रुकिए परमेश्वर हर बच्चे के साथ एक रिश्ता चाहता है। जैसे-जैसे हम उनके साथ चलते हैं, हम उनका समर्थन करते हैं और उन्हें जीवन और विश्वास के प्रति सोच रखने में मदद करते हैं।

सोचिए क्या मैं बच्चों के साथ अपने सम्बन्धों को उनके लिये परमेश्वर के साथ जीवन परिवर्तन अनुभवों के होने के लिये खुले हुए अवसरों के रूप में देखता हूँ?

चलते हैं

यात्रा में आगे बढ़ना

रुकिए यीशु के साथ चलना सीखना कहीं भी, किसी भी समय, किसी के भी साथ- या अकेले के द्वारा हो सकता है। औपचारिक और अनौपचारिक सीखने के अनुभव दोनों परमेश्वर में गहरी जड़ें विकसित करने के लिये महत्वपूर्ण हैं जो बच्चों को मजबूत खड़े होने में सक्षम बनाते हैं।

सोचिए जैसे-जैसे मैं बच्चों के साथ जीवन और विश्वास की खोज करता हूँ, क्या मैं रचनात्मकता, प्रासंगिकता और आत्म विश्वास का प्रदर्शन करता हूँ कि परमेश्वर बाइबिल और प्रार्थना और जीवन के अनुभवों के माध्यम से उनसे बात करता है?

परिचय

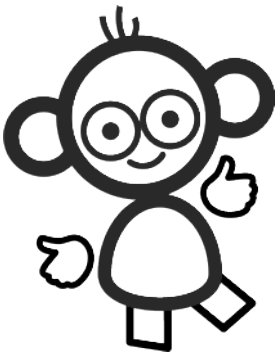

बाइबिल हमें बच्चों का परमेश्वर के साथ चलने और इसके परिणामों की एक बहुत सकारात्मक तस्वीर देती है

- दानिय्येल और उसके मित्रों ने एक पराए देश, मूर्तिपूजक संस्कृति के प्रभाव का सामना करने और उसे बदलकर बेहतर बनाने के लिये अपने घरों और समुदाय में पर्याप्त प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त की।
- तीमुथियुस की माता और नानी ने उसे बचपन से परमेश्वर के बारे में बताया, एक विरासत में मिली शिक्षा जिसकी प्रशंसा पौलुस ने जिनका वह अगुवा बना उनके लिये उनका आधार कहते हुए किया।
- छोटे से शमूएल ने एक बूढ़े एली के साथ मन्दिर में सेवा की, भावी पीढ़ियों के लिये, परमेश्वर की आवाज के प्रति संवेदनशील होना और अन्ततः राष्ट्र की अगुवाई करना सीखता रहा।

ये सब सामान्य लोगों से जो परमेश्वर से प्रेम करते थे से घिरे रहने के द्वारा आशीषित हुए, और जिन्होंने इस रिश्ते को उन तक पहुँचाते थे और परमेश्वर के साथ चलने में उनके शुरुवाती दौर में उन्हें उत्साहित करते थे। और यही बातें हम अपने संदर्भ में बच्चों के साथ होते देखना पसन्द करते हैं! इसलिये ...

हर जगह बच्चों को यीशु के साथ चलने में सहायता करने के लिये क्या करना होता है?

एक स्थानीय कलीसिया समूह के सदस्यों के रूप में - पास्टर, कलीसिया के सदस्य, बच्चों के कार्यकर्ता, स्कूल के शिक्षक, दादा दादी या नाना नानी, माता-पिता, युवा लोग और बच्चे बच्चों को आजीवन यीशु के सक्रिय चेले बने रहने और उसमें बढ़ते जाने के लिये, हम उनकी सहायता किस प्रकार से कर सकते हैं?

हाल के वर्षों में, द ग्लोबल चिल्ड्रन्स फ़ोरम, जिसमें पूरे विश्व के लोग शामिल होते हैं, वे इन प्रश्नों को पूछते हैं। हमने बाइबिल के उदाहरणों और हमारे अपने अनुभवों को देखा है और पहले से मौजूद और उभरती हुई सिद्धान्तों और अभ्यासों का पता लगाया है। हमने कुछ सामान्य, साधारण बातों का पता लगाने की इच्छा प्रगट की, कोई भी व्यक्ति, परिवार या कलीसिया बच्चों के साथ आगे आने और यीशु के साथ चलने में उनकी सहायता कर सकते हैं।

'हर जगह बच्चों की चुनौती' में शामिल होने के बाद, आप दुनिया भर में लोगों और कलीसियाओं के साथ जुड़ने लगते हैं जो अवलोकन करने के लिये समय और ऊर्जा लगाते हैं, प्रश्न पूछते हैं और जुड़े रहने के लिये नए नए तरीकों को ढूँढ़ते हैं, बच्चों को शिष्यता के गुणों में बढ़ने और मसीह की देह में और उसके मिशन में शामिल करते हैं। हम एक प्रेम करनेवाले परमेश्वर की सेवा करते हैं जो हमारे स्थानीय संदर्भ और इसकी अनोखी चुनौतियों और वास्तविकताओं से बहुत गहराई से परिचित है। वह हमारे समुदाय के हर बच्चे को जानता है और उससे प्रेम करता है। वह हर एक से चाहता है कि वे उसके साथ सम्बन्ध में बढ़ते जाएँ। यदि हम नम्र हैं और उसकी बात सुनकर उसकी आज्ञा मानने के लिये तैयार हैं, तो हम विश्वास करें कि वह हमें अपने हाथों और पैरों के रूप में इस्तेमाल कर अपने चारों ओर के बच्चों तक पहुँचने के लिये हमारा मार्गदर्शन करेगा और हमें दृढ़ करेगा।

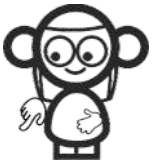

"बच्चे हर जगह के संसाधन दुनिया भर में बच्चों के साथ काम करने वाले लोगों के द्वारा बनाया गया है। कृपया आप इनका प्रयोग करने और जैसा आप चाहते हैं इन्हें लोगों के साथ बाँटने में स्वतन्त्र महसूस करें, परन्तु इन्हें लाभ के लिये बेचा नहीं जा सकता है। इस कार्यक्रम के लिये फाइलें और टूलबॉक्स में अन्य बातों की जानकारी http://www.childreneverywhere.com से डाउनलोड किया जा सकता है।"

सुविधा प्रदानकर्ता का लेख

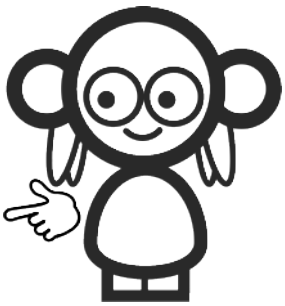

लक्ष्य:

इस बच्चों की हर जगह चुनौती का लक्ष्य एक स्थानीय कलीसिया समूह के सदस्यों का मार्गदर्शन बच्चों की उनकी समझ के विस्तार की एक प्रक्रिया और परमेश्वर कैसे उन्हें देखता है के माध्यम से करना है, उन बातों को ध्यान में रखना जो बच्चों को प्रभावित करते हैं और बच्चों के साथ सेवा कार्य में नई नई सम्भावनाओं की तलाश करना है।

संरचना:

ये सत्र स्थानीय कलीसिया के बाल समूहों (12-15) के लोगों के साथ इस्तेमाल किए जाने के लिये तैयार किए गए हैं। वे सबसे शक्तिशाली होते हैं जब वे पादरियों, बच्चों के कार्यकर्ता, कलीसिया के सदस्यों, स्कूल शिक्षकों, माता-पिता, युवाओं और बच्चों (वयस्क सहायता के साथ) जैसे प्रभावी लोगों के साथ विविध गतिविधियों से जुड़े होते हैं। लोगों का व्यापक चयन, समृद्ध विचार-विमर्श और अनेक तरीके बताए जाएँगे। बच्चे एक अनोखी परिपेक्ष्य को जोड़ेंगे क्योंकि वे चीजों को अक्सर वयस्कों से बहुत अलग तरीके से देखते हैं। यह सुझाव दिया जाता है कि समूह हर 2-4 सप्ताह तक 90-मिनट के सत्र के लिये मिलते रहें , सात सत्रों में से हर बार एक को पूरा करें। प्रत्येक सत्र एक ही बुनियादी धारा का अनुसरण करता है:

- पिछले सत्र की चुनौती गतिविधि पर वापस विवरण प्रस्तुत करें।
- दो या तीन विचारों का अन्वेषण करें- इसमें गतिविधियों, खेल, बाइबिल से जानना, दिमागी मंथन, नाटक या कला कार्ययोजनाएँ शामिल हो सकती हैं।
- नई चुनौती गतिविधि का परिचय दें।
- सत्र में चर्चा की गई बातों पर विचार प्रगट करें।

चुनौती गतिविधियाँ विचारों को प्रतिदिन के जीवन में लेने का एक तरीका है। उनके माध्यम से, समूह या तो सुनने, पता लगाने और अवलोकन के माध्यम से नई बातों को सीखेंगे या फिर अभ्यास में एक नया विचार डालने का अवसर प्राप्त करेंगे। ये सोचने और सीखने की प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भाग हैं।

प्रत्येक सत्र के लिये तैयारी करना

- आप या तो पूरे चुनौती के लिये एक सुविधा प्रदान करनेवाले हो सकते हैं या आप इस जिम्मेदारी को बाँट सकते हैं।
- सुविधा प्रदान करनेवाले को सत्र के लिये सामग्रियों को इकट्ठा करने की आवश्यकता होगी (या यह सुनिश्चित कर लें कि कोई और कर सकता है)।
- सुविधा प्रदान करनेवाले को सत्र के माध्यम से पढ़ना चाहिए और इसके बारे में विचार करें कि वह प्रत्येक अनुभाग को कैसे लेगा और आपके समूह के लिये क्या उपयुक्त हो सकता है। क्या सवाल उठ सकते हैं? किन उदाहरणों को बताया जा सकता है, जो बताते हैं कि किस बारे में बात की जा रही है? स्थानीय स्तर पर क्या हो रहा है, जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं उसे लागू कर सकते हैं कि वे प्रभाव डाल सके?
- प्रत्येक सत्र में, इटालिक (ITALIC) लेख से संकेत मिलता है कि सुविधा प्रदान करनेवाले को क्या करना चाहिए और कोरा पन्ना इंगित करता है कि सुविधा प्रदान करनेवाले को क्या कहना चाहिए। सुविधा प्रदान करनेवाले को लिखे गए लेख को ठीक वैसे ही पढ़ने की आवश्यकता नहीं है जैसा वह लिखा गया है- यह केवल एक सुझाव है। स्वतन्त्र महसूस करें अपनी विशेष स्थिति में चीजों को अपनाने, समूह को तैयार रखने और उन जरूरतों को पूरा करने में जिनकी आप बात करते हैं।
- प्रार्थना करें अपने समूह और उन बातों के लिये जिनके बारे में आप एकसाथ पता लगाएँगे।

बुनियादी सामग्री की आवश्यकता

- पूरी चुनौती के लिये कार्यपुस्तिकाएँ या हर एक सत्र में प्रत्येक व्यक्ति के लिये कार्यपत्रक
- लिखने और चित्रकारी के लिये सामग्री जैसे कि पेन, पेंसिल, क्रेयॉन, रंगीन पेंसिल और मार्कर
- कागज - ड्राइंग के लिये कागज के छोटे टुकड़े, गतिविधियों के लिये बड़ी शीट्स या फ्लिपचार्ट शीट्स (इसके लिये एक व्हाइटबोर्ड भी इस्तेमाल किया जा सकता है)
- पोस्ट- इट नोट्स (यदि ये उपलब्ध नहीं हैं, तो आप छोटे कागज और टेप का उपयोग कर सकते हैं)

अनुरूप टिप्पणी:

इन सत्रों को अधिक गहन तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है-उदाहरण के लिये, दो दिवसीय सम्मेलन। परन्तु, जैसा कि चुनौती गतिविधियों से सीखने के लिये कुछ बातों को कैसे शामिल किया जाए, विचार की आवश्यकता होगी। ये खोज प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भाग हैं।

इन सत्रों को लम्बी अवधि के लिये भी चलाया जा सकता है - उदाहरण के लिये, हर छः महीने में एक सत्र करना। यदि आप ऐसा करते हैं, तो सोचिए कि प्रत्येक सत्र के बाद के महीने में चुनौती गतिविधियों पर आप कितना काम कर सकते हैं। आप एक दूसरे को कैसे बताएँगे कि आप क्या पता लगाते हैं या करते हैं? आप यह सुनिश्चित कैसे करेंगे कि गतिविधियों को भुलाया नहीं गया है और इसलिये नहीं किया गया है? इस पद्धति का लाभ यह है कि प्रत्येक क्षेत्र पर ध्यान देने के लिये आपके पास अधिक समय होगा। जितना अधिक आप कर सकते हैं करें!

यदि आप इस सामग्री को विभिन्न कलीसियाओं के लोगों के एक बड़े समूह के साथ उपयोग करते हैं, तो अपने स्वयं के या आसपास की कलीसियाओं से लोगों को दूसरों के साथ गुटों में विभाजित करें ताकि चर्चा स्थानीय स्थिति के लिये प्रासंगिक हो सके। आप उन्हें अध्यापन की रूपरेखा में सुझाव दिए जाने से अधिक गुटों में विभाजित करना पसन्द करेंगे।

हर जगह बच्चों की चुनौती की रुपरेखा

सत्र	परिणाम	मुख्य विचार	आवश्यकताएँ
सत्र - 1 परिचय	बच्चों के हर जगह चुनौती के बड़े विचारों का परिचय	• बच्चों को हर जगह यीशु के साथ चलने की जरूरत है। • कथन का प्रत्येक भाग हमें यह बताता है कि हम बच्चों को यीशु के साथ चलने में सहायता कैसे कर सकते हैं।	कार्यपुस्तिका, कागज, टेप, बोतल कैप (धुला हुआ), इलास्टिक / रबर बैंड (एक प्रति समूह), मोमबत्ती या साबुन, धागा, माचिस या टूथपिक्स।
सत्र - 2 **बच्चे** हर जगह यीशु के साथ चलते हैं	बच्चों को अधिक महत्व दें और उन्हें बेहतर तरह से समझें	• परमेश्वर बच्चों को अधिक महत्व देता है और इसलिये हमें भी देना चाहिए • उन्हें समझने से हमें सहायता मिलती है कि यीशु के साथ चलने में उनकी अच्छी रीति से सहायता करें।	कार्यपुस्तिका, सिक्के या कम और अधिक मूल्य के छोटे उपहार। विभिन्न आयु समूहों में बच्चों की तस्वीरें
सत्र - 3 बच्चे **हर जगह** यीशु के साथ चलते हैं	उन जगहों का पता लगाएँ जहाँ बच्चे रहते हैं और क्रियाशील और आगे बढ़ने के पृष्ठभूमि के सम्भावित तरीकों की पहचान करें: उनके लिये सुरक्षित और बढ़ने का स्थान।	• बच्चे अपने परिवेश से बहुत प्रभावित होते हैं • बच्चों के लिये एक 'पृष्ठभूमि' तैयार करने के लिये हम जिम्मेदार हैं जो उन्हें बढ़ने में मदद करेंगे।	कार्यपुस्तिका, स्थानीय क्षेत्र का मानचित्र - बहुत सरल हो सकता है।
सत्र - 4 बच्चे हर जगह **यीशु** के साथ चलते हैं	समझें कि सीखना एक आजीवन यात्रा है और सीखने की सुविधा के कई अलग-अलग अनुभवों और विधियों का पता लगाएँ।	•·सीखना निरन्तर प्रक्रिया है - जीवन का हर अनुभव सीखने का एक अवसर होता है। • अच्छे से अच्छा सीखने के तरीके के में हर बच्चा अनोखा होता है।	"अराउंड द वर्ल्ड" खेल के लिये कार्यपुस्तिका, संकेत और इनाम https://www.max7.org/en/resource/voiceofachildmission
सत्र - 5 बच्चे हर जगह यीशु **के साथ** चलते हैं	शिष्यत्व से सम्बन्धित पहलुओं के महत्व को देखें और उन्हें उच्च प्राथमिकता दें।	• हर बच्चे को अपने साथ चलने के लिये किसी न किसी की जरूरत होती है - इसमें परमेश्वर, परिवार और मसीह की देह शामिल है। • अर्थपूर्ण, सहायतार्थ सम्बन्ध बनाने के लिये समय और मेहनत लगता है	कार्यपुस्तिका, ठोस लकड़ी या धातु की कुर्सी, खोई हुई भेड़ वीडियो और इसे दिखाने का तरीका www.max7.org/en/resource/lostsheep
सत्र - 6 बच्चे हर जगह यीशु के साथ **चलते हैं**	समझें कि एक बच्चा यीशु के साथ चलता है, वे उसके समान बनते जाते हैं और उनकी दुनिया में उसके हाथ और पैर होते हैं।	• जैसा कि हम मसीहियों के रूप में यात्रा करते हैं, हम यीशु के समान अधिक बनते जाते हैं। • परमेश्वर अपने मिशन कार्य में बच्चों का उपयोग करने में सक्षम है। परन्तु, सेवा के इस कार्य को करने के लिये उन्हें हमारी सहायता की आवश्यकता है।	वर्कबुक, वॉइस ऑफ अ चाइल्ड वीडियो और इसे दिखाने का एक तरीका https://www.max7.org/en/resource/voiceofachildmission
सत्र - 7 अगला कदम	अधिक कार्य पूरा करने के लिये अगले चरण और एक साथ काम करने के तरीकों का पता लगाएँ	• हम अकेले से अधिक एक साथ मिलकर कर सकते हैं। • हमारी स्थिति के लिये अगला क्या है?	कार्यपुस्तिका, कुर्सी और चीजें

सत्र 1: परिचय

परिणाम:

- हर जगह बच्चों की चुनौती के बड़े विचारों का परिचय दें।

मुख्य विचार

- बच्चों को हर जगह यीशु के साथ चलना जरूरी है।
- कथन का प्रत्येक भाग हमें यह बताता है कि हम यीशु के साथ चलने में बच्चों की मदद कैसे कर सकते हैं।

आवश्यक अतिरिक्त सामग्री:

- प्रत्यक्ष गतिविधि की शक्ति: कागज, टेप, बॉटल कैप, इलास्टिक बैंड, मोमबत्ती या साबुन, धागा, माचिस या टूथपिक्स

सत्र

परिचय (10 मिनट)

हर जगह बच्चों की चुनौती में स्वागत है! एकसाथ हम आने वाले हफ्तों और महीनों में समय लेने के लिये चुनौती को स्वीकार कर रहे हैं कि 'बच्चे हर जगह यीशु के साथ चलते हैं' में जो शामिल होता है पर विचार करें। बच्चों के लिये इसका क्या अर्थ है और हमें परिवार और कलीसिया के रूप में उन्हें ऐसा करने के लिये उनकी किस प्रकार सहायता करने की जरूरत है? मुझे यकीन है कि हम पहले से ही कुछ विचारों के साथ आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन इस चुनौती के दौरान हम जो कुछ पहले से देखते हैं, उसे कुछ अलग तरीके से देख सकते हैं और उम्मीद है कि हम कुछ नई चीजों को सीखेंगे जो हमें बच्चों के साथ बेहतर काम करने में मदद करेंगे जैसा कि वे यीशु के साथ चलते हैं। क्योंकि हम इस चुनौती के दौरान एक साथ मिलकर काम करेंगे, हमें एक-दूसरे को बेहतर ढंग से जानना होगा!

गतिविधि:

प्रत्येक व्यक्ति को खड़े होने और 2 गोला बनाने के लिये आमन्त्रित करें, एक समूह के लोग बाहरी गोला में रहें प्रत्येक का चेहरा उसके साथी की ओर हो जो अन्दर के गोले में खड़ा हो अर्थात् दोनों का चेहरा आमने सामने हो।

- अपने साथी का को देखें और अपने आपका परिचय दें और उन्हें साल का अपना पसंदीदा समय बताएँ और क्यों हैं यह बताएँ। (30 सेकंड)
- फिर से अपना साथी बदलें; (बाहरी गोला अपनी दाहिने हाथ की ओर से आगे बढ़े); अपने आपका परिचय दें और एक दूसरे को अपने बचपन का अपना पसंदीदा खेल बताएँ। (30 सेकंड)
- फिर से अपना साथी बदलें; अपने आपका परिचय दें और एक दूसरे को बाइबिल का अपना पसंदीदा बच्चा बताएँ। (30 सेकंड)
- फिर से अपना साथी बदलें; अपने आपका परिचय दें और एक दूसरे को अपने 10 साल के होने के पहले का सबसे बड़ा साहसिक कार्य बताएँ। (2 मिनट प्रत्येक)

इस सत्र के लिये कार्यपुस्तिका या वर्कशीट को उन्हें बाँट दें और संक्षिप्त रूप से पुस्तक के विभिन्न हिस्सों को दिखाएँ। उन तिथियों को भरें जिन दिनों पर आप मिलेंगे।

और इस प्रकार हम सत्रों के दौरान अपने विचारों और तरीकों को रिकॉर्ड करेंगे और सत्रों के दौरान चुनौती गतिविधियों पर काम करते हैं। आप शब्दों को लिख सकते हैं या तस्वीरें बना सकते हैं - आप प्रार्थना या कविता भी लिख सकते हैं! यह हर जगह बच्चों की चुनौती की आपकी डायरी है।
यह उन मिश्रित लोगों का समूह है जो अलग-अलग उम्र वाले हैं और उनकी विभिन्न भूमिकाएँ हैं क्योंकि वे बच्चों से सम्बन्धित हैं। आप में से

कुछ अभी भी स्वयं बच्चे हैं! (यदि यह उचित है तो केवल यही कहें) हम सभी के पास चर्चाओं और गतिविधियों में योगदान करने के लिये अलग अलग बातें हैं जो हम कर रहे होंगे। जब दूसरे बात कर रहे हों, तो हमें ध्यान से सुनते हुए एक दूसरे के योगदान का सम्मान करना चाहिए।

जीने की शक्ति (40 मिनट)

गतिविधि:

समूह को 3-4 लोगों के गुटों में विभाजित करें। प्रत्येक गुट में मिश्रित लोगों को शामिल करने का लक्ष्य बनाएँ। गुट इलास्टिक-बैंड से संचालित होने वाले वाहनों का निर्माण कर सकती हैं और एक दूसरे के साथ आपस में दौड़ लगा सकते हैं। (उदाहरण: https://www.youtube.com/watch?v=brcQz7EZCbQ) या वे गुब्बारे उड़ा सकते हैं और उन्हें हवा में छोड़ दें ताकि ऊपर जाकर गुब्बारे कमरे में चारों ओर उड़ने लगें। सभी गुट के लोग यह देख सकतें हैं कि प्रतिस्पर्धा में किसका गुब्बारा सबसे ऊपर उड़ता है। एक ऐसा कार्ययोजना चुनें जो आपकी स्थिति में सही बैठता हो और उन सामग्रियों का उपयोग किया जा सके जो आपके अपने संदर्भ में मिल सकते हैं।

- वाहनों को बनाने या गुब्बारों को उड़ाने के आवश्यक सामग्री या घटक क्या थे?
  शक्ति स्रोत – उदाहरण के लिये इलास्टिक-बैंड, हवा
- यदि आपके पास वह शक्ति स्रोत नहीं होता तो क्या होता?
  वाहन या गुब्बारे अच्छे लग सकते हैं लेकिन कहीं भी नहीं जा सकते हैं और इसलिये उनका उपयोग ज्यादा नहीं किया जा सकता है।

जैसे ही वाहनों को एक शक्ति स्रोत के रूप में इलास्टिक-बैंड की जरूरत (या गुब्बारे को हवा की जरूरत) होती है, वैसे ही हमें बनाया गया कि परमेश्वर हमारे लिये हमारे शक्ति स्रोत के रूप में हो। जब आदम और हव्वा ने पाप किया, मानव जाति को इस शक्ति-स्रोत से अलग कर दिया गया। उसके बिना, हम टूट जाते हैं। हम यीशु के साथ वैसा नहीं चल पाते हैं और वैसा जीवन नहीं जी पाते जैसा वह चाहता था।

इसलिये, परमेश्वर ने हमें इस तरह छोड़कर हमसे बहुत प्रेम किया। जब हम यीशु में परमेश्वर के उद्धार को स्वीकार करते हैं, तो वह हमारे भीतर रहने के लिये आता है। जब हम उसके साथ चलते हैं तो हम एक बार फिर हमारे शक्ति स्रोत से जुड़े होते हैं। वह हमें अपना जीवन देता है, हमारे टूटे हुए मन को चंगा करना शुरू करता है और हम उस पूर्णता का अनुभव करते हैं जो केवल उसी में ही प्राप्त किया जा सकता है।

बाइबिल से जानना:

समूह को जोड़े में विभाजित करें और कार्यपुस्तिका में प्रत्येक को एक बाइबिल अनुच्छेद दें। उस अनुच्छेद के बारे में बात करने के लिये लगभग 5 मिनट की अनुमति दें। उन्हें एक साथ वापस बुलाएँ और प्रत्येक जोड़ी को उन बातों को आपस में बाँटने के लिये कहें जो उन्होंने सीखा है। यदि लोगों के पास अन्य विचार हैं, तो उन्हें भी बताने का अवसर दें।

- परमेश्वर के साथ रिश्ता रखने से क्या अन्तर दिखाई देता है?
  प्रत्येक समूह ने अपने निष्कर्षों को वापस रिपोर्ट करें

यह एक वैकल्पिक उपाय नहीं है, यह परमेश्वर ने हमें जिस रीति से बनाया है उसका एक हिस्सा है! यीशु के साथ चलने का तात्पर्य है कि हम उसके साथ-साथ चलते हैं और उसके उदाहरण का पालन करते हैं। इसका अर्थ यह भी है कि हम हमारे भीतर उसकी शक्ति के परिणामस्वरूप चल सकते हैं।

बच्चे हर जगह यीशु के साथ चलते हैं (20 मिनट)

यीशु को जानने और उसके साथ चलने के लिये बच्चों को हमारी मदद की ज़रूरत है। (रोमियों 10:14)

दिमागी

पोस्ट-इट नोट्स पर लिखने के लिये लोगों को 5 मिनट का समय दें कि वे कुछ तरीकों को बताएँ कि हम यीशु के साथ चलने में बच्चों की मदद कैसे कर सकते हैं। जब वे ऐसा करते हैं, पाँच फ्लिपचार्ट शीट रखिए जिनमें से प्रत्येक का शीर्षक निम्नलिखित शब्दों में से एक हो - बच्चे, हर जगह, यीशु, के साथ, चलते हैं। जब समय समाप्त हो जाता है, तो लोगों को उनके पोस्ट-इट नोट्स को तब तक पकड़े रहने के लिये कहें, जब तक कि उनसे पूछ नहीं लिया जाता।

आइए हम पाँच बुनियादी बातों पर गौर करें कि बच्चों को यीशु के साथ चलने की जरूरत है। नारा के पाँच शब्दों के सम्बन्ध में पाँच चीजों पर विचार किया जा सकता है। आप इसे अपनी कार्यपुस्तिका में चार्ट में देखेंगे।

- **बच्चे** - हमें वास्तव में बच्चों को वैसे ही देखने की आवश्यकता है जैसे परमेश्वर उन्हें देखता है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि वह उनके बारे में क्या सोचता है और उनके जीवन के बारे में क्यों अधिक जानकारी रखता है ताकि हम उन्हें बेहतर सेवा दे सकें और उनके साथ चल सकें जैसे वे यीशु के साथ चलते हैं।
- **हर जगह** - बच्चों को उनके परिवेश के द्वारा गहराई से प्रभावित किया जाता है - उनका "हर जगह" (चारों ओर)। जैसे ही हम बच्चों के परिवेश जिसमें वे रहते हैं को समझते हैं, हम उनके इस टूटे हुए संसार में उन्हें आगे बढ़ने में सहायता करके एक भरपूर और सुरक्षित "पृष्ठभूमि" दे सकते हैं।
- **यीशु** – कार्य का लक्ष्य उसके समान बनना है – उसमें सम्पूर्ण और सिद्ध होना है। यह स्वयं दिखाता है कि जैसे वे 'यीशु के हाथों और पैरों के रूप में' पृथ्वी पर मसीह की देह में शामिल होते हैं। हमारे पास उनके प्रतिदिन के जीवन में यीशु के साथ हो लेने और उसकी सेवा करने के लिये परमेश्वर द्वारा दिए गए वरदानों और क्षमताओं का उपयोग करने के लिये उनकी सहायता करने का अवसर है।
- **के साथ** - आत्मिक यात्रा सम्बन्धों के बारे में बताता है – जो परमेश्वर के साथ सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण है, और दूसरा परिवार और परमेश्वर के अन्य लोगों के साथ होता है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम इन सम्बन्धों के विकास को बल प्रदान करने की उच्च प्राथमिकता दिखाते हैं।
- **चलते हैं** - सीखना एक सतत् प्रक्रिया है - एक कार्य जिसके लिये एक समय में एक कदम उठाया जाता है। जैसा कि हमें जानना है कि वे कैसे बेहतर तरीके से सीखते हैं और प्रतिदिन के अवसरों को उपयोग में लाते हैं, और तब परमेश्वर की सच्चाई का जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव होता है।

लोगों से कहें कि उनके विचारों को पाँच फ्लिपचार्ट शीट्स पर उपयुक्त रूप में बताएँ।

- कहाँ पर हमारे पास बहुत सारे विचार हैं और कहाँ पर कुछ ही हैं?
  फ्लिपचार्ट शीट की समीक्षा करें और पोस्ट-इट नोट्स का वितरण करें
- क्या हम अतिरिक्त कुछ और जोड़ना चाहते हैं?
  लोगों को कुछ और सोचने के लिये एक मिनट दें

अगले कुछ सत्रों में हम इनमें से प्रत्येक क्षेत्र को अधिक विस्तार से देखेंगे। लक्ष्य इसलिये है कि हम बेहतर तरीके से समझ पाएँ कि यीशु के साथ चलने में हम बच्चों की सहायता कैसे कर सकते हैं और उन चीजों को खोज सकें जिससे इस समय हम बच्चों को प्रोत्साहित कर सकते हैं और यीशु के माध्यम से परमेश्वर के साथ उनके सम्बन्धों को मजबूत कर सकते हैं।

चुनौती गतिविधि (10 मिनट)

हमारे सत्रों के बीच हम कुछ कार्य योजना पर काम करेंगे जो हमें अपनी स्थिति में जो भी सीख रहे हैं उसे लागू करने में मदद करेंगे।

जितना अधिक हम इन पर काम करते हैं, उतना ही हम एकसाथ अपने इस समय के साथ सीखेंगे।

योजना: सुनने की गतिविधि को देखें। लोगों के पास जो भी प्रश्न है उसका उत्तर दें। यह सुदृढ़ करें कि जो हम कर रहे हैं यह उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और जब आप दोबारा मिलते हैं तो लोग अपने निष्कर्षों पर वापस विवरण देंगे।

प्रभावकारी विचार (10 मिनट)

गतिविधि:

एक बात लिखिए, जो आप इस सत्र में सोचते रहें।

गहराई से समझने में सहायता करने वाले टूलबॉक्स संसाधन

1फर 50 बारह प्रशिक्षण

- अध्याय 1: बच्चों के लिये यीशु का हृदय

1फर 50 परिवारिक प्रशिक्षण

- अध्याय 1: बाइबिल के आधार

रेडी सेट गो का प्रशिक्षण

- सत्र 1: बच्चे और युवा – योजनाबद्ध तरीके से शिष्य बनाना

सत्र 2: बच्चे

परिणाम:

बच्चों को अधिक महत्व दें और उन्हें अच्छी रीति से समझें।

मुख्य विचार

- परमेश्वर बच्चों को अधिक महत्व देता है और इसलिये हमें भी देना चाहिए।
- उन्हें समझने से हमें सहायता मिलती है कि यीशु के साथ चलने में उनकी अच्छी रीति से सहायता करें।

आवश्यक अतिरिक्त सामग्री:

- कम मूल्य का एक सिक्का और अधिक मूल्य का एक सिक्का या बड़ा नोट - जो भी आप देना चाहते हैं।
- विभिन्न आयु के बच्चों की तस्वीरें।

सत्र

आपको जानना (5 मिनट)

समूह के चारों ओर जाएँ और प्रत्येक व्यक्ति का नाम और उनके बारे में कुछ कहें जो उनके नाम के पहले अक्षर से शुरू होता है –

उदाहरण के लिये मेरा नाम फियोना है और मुझे फुटबॉल से प्रेम है। मेरा नाम डेविड है और मैं एक डॉक्टर हूँ।

वापस विवरण दें (10 मिनट)

अपने आगे वाले व्यक्ति के साथ अपनी कुछ खोजों की चर्चा करें जैसा कि आपने कुछ बच्चों का साक्षात्कार किया था। पोस्ट-इट नोट्स पर 2-3 बातों को लिखिए जो आपने सोचा था जो रुचिकर या महत्वपूर्ण थे (उन्हें एक-दूसरे से बात करने के लिये 5 मिनट दें)

प्रत्येक जोड़ी से एक व्यक्ति, अपनी 2-3 बातों को बताए और पोस्ट-इट नोट्स को फ्लिपचार्ट शीट पर रखें।

- क्या कोई सामान्य विषय हैं?
  समूह पोस्ट-इट नोट्स विषयों के अनुसार करें।
- हमने कौन कौन सी मुख्य बातों की खोज की थी?
  परिणामों को संक्षिप्त में बताएँ

जैसा कि आपको याद होगा, हम सभी के बारे में अधिक जानने के लिये खुद को चुनौती देने की प्रक्रिया में हैं कि हर जगह यीशु के साथ चलने वाले बच्चों को देखने के लिये क्या क्या करना होगा। अगले 5 सत्रों में, अधिक से अधिक जानकारी को प्राप्त करने के लिये हम एक समय में एक शब्द लेने जा रहे हैं (देखें सत्र 1 का चित्र)। इस सप्ताह हम बच्चों को देखकर शुरू करेंगे।

हम किसे महत्व देते हैं (30 मिनट)

गतिविधि:
इसे समझने के लिये समूह में से कौन उठकर सामने आएगा और पारम्परिक गीत या पारम्परिक नृत्य (कुछ ऐसा चुनिए जो आपके संदर्भ के अनुसार उपयुक्त हो) प्रस्तुत करेगा? (सबसे कम मूल्य का सिक्का रखें।)

यदि इनाम यह था तो क्या होगा? (अधिक मूल्य का सिक्का/नोट रखें- जो भी आप देना चाहें!) अब कौन उठकर सामने आएगा और इसे प्रस्तुत करना चाहेगा? (एक व्यक्ति को गीत गाने या नृत्य प्रस्तुत करने दें और उन्हें रुपये दें।)

हम और अधिक करना चाहते हैं जिसका मूल्य हम बढ़ा दें।?

- आप कैसे सोचते हैं कि मूल्य जो हम बच्चों पर रखते हैं - या नहीं रखते हैं –प्रभाव डालता है कि कैसे हम उनके साथ काम करते हैं?
  उदाहरण के लिये: यदि हम उन्हें मूल्य नहीं देते हैं तो जब हम गतिविधियों की योजना बनाते या अपने इमारत या घर की मरम्मत करते हैं तब उनके बारे में नहीं सोचते। हम उन्हें सुरक्षा और विकास के लिये एक उपहार के बदले देखभाल करने के लिये एक उपद्रवी के समान देखते।

बच्चों को अक्सर हमारे समाज और हमारी कलीसियाओं में अधिक मूल्य नहीं दिया जाता है। अक्सर वे वयस्कों की तुलना में बहुत कम मूल्यवान समझे जाते हैं। हमें लगता है कि इससे पहले कि वे वास्तव में परमेश्वर के साथ एक रिश्ता बनाएँ, पहले उन्हें बड़ा होना चाहिए। परन्तु परमेश्वर बच्चों को कैसे देखता है?

बाइबिल से जानना:

हमें इस बात को ध्यान में रखते हुए शुरू करना होगा कि परमेश्वर बच्चों के बारे में क्या सोचता है।

कार्यपुस्तिका में 'बच्चे आश्चर्यजनक रूप से जटिल होते हैं' के तहत तीन बिंदु पढ़ें और बाइबिल के आयतों को इंगित करें जो एक दूसरे का समर्थन करते हैं।

तीन गुटों में विभाजित करें, प्रत्येक गुट को एक बिंदु दें और उन्हें बाइबिल के आयतों को पढ़ने और विवरणों पर चर्चा करने के लिये कहें ताकि जो कुछ भी वे सीखते हैं उनका विवरण वापस बड़े समूह को दे सकें। जब वे वापस विवरण देते हैं, तो उन्हें शब्दों के बिना ऐसा करने की आवश्यकता होती है – उदाहरण के लिये नाटक / क्रिया / चित्रकारी।?

- आप इन विवरणों से किन प्रभावों को देखते हैं?
  परमेश्वर बच्चों को महत्वपूर्ण रूप में, और उन्हें बढ़ते हुए और विकास करते हुए भी देखता है।
- इस प्रकार की समझ कैसे हमारी कलीसिया / घर / समुदाय आदि के बच्चों को जोड़ने का तरीका बदल सकते हैं?

  उत्तर स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन उन्हें यह देखने में मदद करें कि हम अक्सर बच्चों को, उनके बहुमूल्य और अनूठे योगदान को जो वे करते हैं नहीं देखते हैं, और इस तरह से उन्हें बहुमूल्य नहीं मानते हैं जैसे परमेश्वर मानता है।

कार्यपुस्तकों में पैराग्राफ को "जैसा कि हम उनके साथ रहते हैं ..." से शुरू करते हुए पूरा पढ़ना है।

इसलिये अक्सर हम बच्चों को महत्व नहीं देते क्योंकि हमें लगता है कि वे महत्वपूर्ण नहीं हैं। बाइबिल में स्पष्ट है कि वे बहुत महत्व रखते हैं। यीशु ने उन पर ध्यान देने के लिये समय निकाला। वह बच्चों को समझता था और उनके स्तर पर उनके साथ काम किया।

बच्चों का विकास (30 मिनट)

चर्चा:

विभिन्न आयु के बच्चों के कुछ चित्र दिखाएँ (अपने स्वयं के संदर्भ से हो तो और अच्छा है)

- बच्चों में उनके बढ़ने के दौरान आपको क्या अंतर दिखाई देता है?
  उन्हें करीब से देखने के लिये सहायता करें और वे क्या देख रहे हैं, उसके बारे में सोचें।
- लूका 2:52 को पढ़ें। हम कैसे देखते हैं कि इन तरीकों से हमारे चारों ओर के बच्चे कैसे बढ़ रहे हैं?
  यीशु बुद्धि में (बौद्धिक रूप से), कद (शारीरिक रूप से), परमेश्वर (आत्मिक) और लोगों (सामाजिक) के डीलडौल में बढ़ा।
  कुछ तरीकों के बारे में सोचें जो हम इन बातों को बच्चों में देखते हैं।

आयु में अन्तर वाले चार्ट को देखें। यह लोगों को यह समझने में मदद करने के लिये एकसाथ रखा गया है कि कैसे बच्चे विभिन्न आयु के माध्यम से बढ़ते हैं। यह तीन विकास के चरणों में विभाजित है – सबसे कम आयु के बच्चे, स्कूल जानेवाले कम आयु वर्ग के बच्चे और स्कूल जानेवाले अधिक आयु वर्ग के बच्चे हैं। हर बच्चा दूसरे से अलग होता है, परन्तु यह चार्ट हमें कुछ सामान्य विशेषताएँ प्रदान करता है जिनके बारे में जागरूक होना जरूरी है।

गतिविधि:

समूह को 3-4 लोगों के गुट में विभाजित करें। प्रत्येक गुट को एक विकासात्मक चरण नियुक्त करें (एक ही चरण में एक से अधिक गुट का काम करना भी ठीक है)। प्रत्येक गुट से चर्चा करने के लिये कहें कि वे भला सामरी की कहानी के आधार पर वे उनके चरण को दूसरों से प्रेम करने के बारे में कैसे सिखा सकते हैं। उन्हें 10 मिनट दें और उसके बाद उनके विचारों पर चर्चा करें। कोई भी उत्तर सही और गलत नहीं हैं - यह विचार केवल अन्तर के बारे में जागरूक होने के लिये है॥

जैसे हम बच्चों के साथ काम करते हैं, हमें इन अन्तरों को ध्यान में रखना जरूरी है। इस तरह से हम बच्चों को चीजों को समझने में मदद कर सकते हैं और ऐसी गतिविधियाँ कर सकते हैं जो उनकी वर्तमान क्षमताओं को प्रगट करती हैं। इससे उन्हें उनकी आयु और अवस्था के लिये उपयुक्त तरीके से यीशु के साथ चलने में मदद मिलेगी।

चुनौती गतिविधि (10 मिनट)

जैसा कि हमने पिछली बार किया था, हमारे पास सत्रों के बीच में करने के लिये कुछ काम है। इस समय, आप कुछ अलग विकल्पों में से कोई भी एक चुन सकते हैं। ये सभी आप के आसपास के बच्चों के बारे में आपकी समझ में वृद्धि करेंगे।

योजना: कार्यपुस्तिका में विकल्पों पर एक साथ देखें और लोगों को यह तय करने का समय दें कि वे या तो स्वयं या साथी के साथ क्या करने वाले हैं।

प्रभावकारी विचार (5 मिनट)

उस व्यक्ति के साथ जो आपके पास है एक नया तरीका या विचार का साझा करें जो आपके पास इस सत्र के दौरान था। अपनी कार्यपुस्तिका में एक बात लिखिए जिसे आप अगले सप्ताह अपने अभ्यास में लाना चाहते हैं।

गहराई से समझने में सहायता करने वाले टूलबॉक्स संसाधन

विचार करना

- बच्चों का सुसमाचार प्रचार
- कोई भी बच्चा सुसमाचार से वंचित नहीं हैं I
- बच्चा, कलीसिया और मिशन
- बाइबिल में बच्चे और बचपन

·1 फर 50 बारह प्रशिक्षण

- अध्याय 1: बच्चों के लिये यीशु का हृदय
- अध्याय 3: बच्चों की विशेषता (ऊँचा उठने की सीख भी)
- अध्याय 6: अन्य लोगों तक पहुँचने के लिये सेतु निर्माण

1 फर 50 परिवार प्रशिक्षण

- अध्याय 2: आज के परिवार
- अध्याय 3: समझना कि बच्चे कैसे बढ़ते हैं
- अध्याय 7: बाहरी प्रभावों के साथ कार्य करना

रेडी सेट गौ प्रशिक्षण

- सत्र 1: बच्चे और युवा - योजनाबद्ध तरीके से शिष्य बनाना

सत्र 3: हर जगह

परिणाम:

उन जगहों का पता लगाएँ जहाँ बच्चे रहते हैं और एक "पृष्ठभूमि" तैयार करने और आगे बढ़ाने के लिये सम्भावित तरीकों की पहचान करें: उनके लिये सुरक्षा और बढ़ने का स्थान।

मुख्य विचार

- बच्चे अपने परिवेश से गहराई से प्रभावित हो चुके होते हैं।
- हम बच्चों के लिये एक सुरक्षित 'पृष्ठभूमि' तैयार करने के जिम्मेदार हैं जो उन्हें बढ़ने में मदद करेंगे।

आवश्यक अतिरिक्त सामग्री:

- स्थानीय क्षेत्र का मानचित्र - फ्लिपचार्ट शीट पर हाथ से तैयार किया हुआ एक बहुत ही बुनियादी पेशकश हो सकता है।

सत्र

वापस विवरण दें (10 मिनट)

आइए, हम हमारे चुनौती गतिविधियों से प्राप्त हमारे शोध को बताएँ।

तीन गुटों में विभाजित करें- वे लोग जो कुछ बच्चों को जानना चाहते थे, वे जो कि सुरक्षित और असुरक्षित परिवेश की तस्वीरें ले रहे थे, और वे जो कुछ बच्चों पर कुछ अतिरिक्त शोध कर रहे थे। जो वे पता लगाते हैं उन्हें एक-दूसरे के साथ साझा करने के लिये 10 मिनट दें। फिर उन्हें पूरे समूह को इस प्रश्न का उत्तर देते हुए वापस विवरण देने को कहें:

- बच्चों के रहने वाले परिवेश के बारे में आप क्या सीखते हैं? क्या आपको कुछ आश्चर्य हुआ?
  इन प्राप्त निष्कर्षों को इस तरह से एकत्रित करके व्यवस्थित करें, जिन्हें हर किसी के साथ साझा किया जा सकता है।

पिछले हफ्ते हमने बच्चों को देखा (पहले सत्र से चित्र को दिखाएँ।) इस हफ्ते हम हर जगह जहाँ हम बच्चों को पाते हैं - उनके स्थानीय परिवेश को देखते हुए बच्चों के प्रति हमारी समझ को बढ़ाना चाहते हैं।

स्थानीय परिवेश (30 मिनट)

गतिविधि:

हम यह सोचकर शुरू करना चाहते हैं कि हमारे समुदाय में बच्चे कहाँ हैं। मेरे पास हमारे समुदाय का मानचित्र है। आइए देखें कि हम सब कहाँ रहते हैं, यह दिखाने के लिये नक्शे को एक छोटे पोस्ट-इट में रखें। (छोटे पोस्ट-इट नोट्स पर रखें)

इसके बाद हमें यह सोचने की ज़रूरत है कि हमारे चारों ओर बच्चे कहाँ कहाँ रहते हैं। फ्लिपचार्ट शीट पर सुझाव लिखें। सुझाए गए क्षेत्रों को विभाजित करें और लोगों को उस परिवेश में मौजूद कुछ चीजों को बनाने दें जिससे बच्चे उनके सम्पर्क में आ सकें और बच्चे वहाँ जो करते हैं उसका भी चित्र बनाएँ। जब उनका हो जाए, तो दीवार पर उन चित्रों को नक्शे पर चिपका दें। यदि आपके पास चित्रों को प्रिंट करने का कोई तरीका है, तो आप इन्हें नक्शे के साथ जोड़ भी सकते हैं।

सवाल-जवाब:

तस्वीरों को देखें और पूछें:

- बच्चों के लिये कौन से स्थान सुरक्षित या असुरक्षित हैं? और क्यों?
  कुछ जगहों पर ये दोनों भी हो सकते हैं - उदाहरण के लिये: केवल कुछ बच्चों को स्कूल या इंटरनेट पर डराया गया हो।

- इस गतिविधि में और चुनौती गतिविधि में हमने जो कुछ सीखा है, उसके बारे में सोचते हुए, क्या कोई आवश्यक चीजें हैं जो हमारे समुदाय में बच्चों के जीवन और विकास के लिये उपलब्ध नहीं हैं? या यह केवल कुछ बच्चों के लिये उपलब्ध है?

  स्थानीय जरूरतों की एक सूची बनाएँ।

एक सुरक्षित पृष्ठभूमि तैयार करना (30 मिनट)

बाइबिल से जानना:

तीन गुट बनाएँ और कार्यपुस्तिका से प्रत्येक को वचन का आबंटन करें और उन्हें यह देखने के लिये कहें कि वे असुरक्षित परिवेश में बच्चों के प्रति हमारी जिम्मेदारी के बारे में क्या कहते हैं। लगभग 10 मिनट के बाद, उन्हें एक साथ वापस लाएँ।

- इन लोगों ने असुरक्षित परिवेश में बच्चों के प्रति कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?
  अपने बच्चे के लिये सुरक्षित परिवेश बनाने के लिये माता-पिता की हिम्मत, भले ही वह उनके लिये और बच्चे के लिये जोखिम भरा था; असुरक्षित बच्चों के लिये सहारा; परमेश्वर की आँखें बच्चों पर है, और उन्हें सुरक्षित रखना हमारी ज़िम्मेदारी है।

हम हमेशा असुरक्षित परिवेश से बच्चों को पूरी तरह से नहीं निकाल सकते हैं, लेकिन हमारे पास एक मौका है - वास्तव में जिम्मेदारी – उनकी एक टूटी हुई दुनिया के मध्य में एक सुरक्षित "पृष्ठभूमि" तैयार करना, सुरक्षा और बढ़ने का एक स्थान है।

टिप्पणी : एक सुरक्षित पृष्ठभूमि की परिभाषा:

- एक रेगिस्तान में एक छोटा सा क्षेत्र जिसके पास पानी की आपूर्ति है और हरे पौधों के लिये सहारा बनने में सक्षम है। एक पानी के सोते के रूप में जब भूजल सतह के पास एक सोता को बनाने के लिये स्थित होता है या कुओं द्वारा पहुँचाए जाते हैं। (अमेरिकन हेरिटेज साइन्स डिक्शनरी)
- कहीं व्यस्त और दुःखों के मध्य में एक शान्त और सुखद स्थान। (कैम्ब्रिज लर्नर्स डिक्शनरी)
- परेशानी या कठिनाई के बीच शान्ति और सुरक्षा या खुशी का स्थान। (कोलिन्स इंग्लिश डिक्शनरी)

दिमागी मंथनः

आइए हम इस बारे में सोचें कि यह हमारे समुदाय में कैसा लग सकता है।

- सबसे बड़ी ज़रूरतें क्या हैं जिन्हें हम ढूँढ़ लिया है?
  अब तक चुनौती गतिविधियों से प्राप्त निष्कर्षों की समीक्षा करें

- बच्चों के लिये 'सुरक्षित पृष्ठभूमि' बनाने के लिये हमें क्या करना होगा, जहाँ वे व्यक्तिगत रूप से और परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते में बढ़ और दृढ़ हो सकें? उनके परिवारों में? कलीसिया या सेवकाई में?

  जोड़ी बनाकर इस पर चर्चा करें और फिर एक और जोड़ी के साथ चर्चा करें, एक या दो विचारों का चयन करें और फिर इन्हें पूरे समूह के साथ चर्चा करें। लोगों को कुछ ठोस विचारों के बारे में सोचने में सहायता करें, जिन्हें वे अभ्यास में ला सकते हैं।

प्रार्थनाः

चार की अपनी गुटों में वापस जाएँ और कुछ समय बिताने के लिये इन जरूरतों और संभावनाओं के बारे में प्रार्थना करें

चुनौती गतिविधि (15 मिनट)

हम इन जरूरतों के बारे में वास्तव में कुछ करना चाहते हैं एक महत्वपूर्ण कदम क्या है जो हम अगले सत्र से पहले ले सकते हैं जो हमारे परिवार या कलीसिया को हमारे बच्चों और हमारे समुदाय के बच्चों के लिये 'सुरक्षित पृष्ठभूमि' बना देगा?

चर्चा करें और तय करें कि समूह को क्या काम करना होगा।

प्रभावकारी विचार (5 मिनट)

उस व्यक्ति के साथ जो आपके आगे हो एक नया तरीका या विचार पर चर्चा करें जो आपको इस सत्र से मिला है।

अपनी कार्यपुस्तिका में एक बात लिखिए जिसे आप अगले सप्ताह अभ्यास में लाना चाहते हैं।

गहराई से समझने में सहायता करने वाले टूलबॉक्स संसाधन

विचार करना

- जोखिम में फँसे बच्चों के साथ मिशन
- टूटेपन से पूर्णता की ओर - बच्चों के लिये परमेश्वर की इच्छा
- क्विटो ने जोखिम में फँसे बच्चों के लिये कदम उठाया

1 फर 50 बारह प्रशिक्षण

- अध्याय 1: बच्चों के लिये यीशु का हृदय
- अध्याय 2: यीशु और बच्चों के अगुवे

1 फर 50 परिवारिक प्रशिक्षण

- अध्याय 4: परवरिश को समझना

रेडी सेट गौ प्रशिक्षण

- सत्र 8: एक बच्चे की दुनिया को समझें
- तरस पर केन्द्रित पाठ्यक्रम
- कावा
- सामुदायिक स्वास्थ्य सुसमाचार प्रचार

सत्र 4: यीशु

परिणाम:

समझें कि जैसे एक बच्चा यीशु के साथ चलता है, वे उसी के समान बनते जाते हैं और अपनी दुनिया में उसके हाथ और पैर होते हैं।

मुख्य विचार

- जैसा कि हम मसीही के रूप में चलते हैं, हम यीशु के समान अधिक बनते जाते हैं।
- परमेश्वर अपने मिशन में बच्चों का उपयोग करने में सक्षम है, लेकिन सेवा करने के लिये उन्हें हमारी सहायता की आवश्यकता है।

अतिरिक्त सामग्री:

- वॉइस ऑफ अ चाईल्ड वीडियो (https://www.max7.org/en/resource/voiceofachildmission)
  और इसे दिखाने का एक तरीका

सत्र

वापस विवरण दें (10 मिनट)

किसी ऐसे व्यक्ति को ढूँढ़े जिसे आपने अभी तक काम नहीं दिया है और चुनौती गतिविधि के लिये आपने जो किया और आपने जो सीखा है उसे एक दूसरे के साथ बाँटे। उस व्यक्ति को ढूँढ़ने की कोशिश करें जिसने आपसे कुछ अलग किया हो। (एक दूसरे के साथ बाँटने के लिये उन्हें लगभग 5 मिनट दें)

वे कौन सी बातें थीं जिनके बारे में हमने सीखा?
2-3 लोगों को संक्षिप्त में बाँटने के लिये कुछ समय दें।

हम यह देख रहे हैं कि बच्चों को यीशु के साथ चलने में मदद करने के लिये हमें क्या करने की ज़रूरत है। पहले के सत्रों में हम बच्चों और उनके परिवेश को बेहतर समझने की कोशिश कर रहे थे। पिछले दो सत्रों में मसीहियों के रूप में विकसित होने में बच्चों की मदद करने पर अधिक ध्यान दिया गया है। आज हम इसके परिणामों को देखने जा रहे हैं – स्वयं बच्चों के जीवन में और वे कैसे मसीह की देह में योगदान करने और उनकी दुनिया को प्रभावित करने में सक्षम हैं।

यीशु के समान बनना (20 मिनट)

गतिविधि:

उन जोड़ों को वापस लाएँ जो शुरुवाती समय में साझा कर रहे थे।

- जोड़े एक दूसरे के आमने सामने खड़े हों। वे एक दूसरे के क्रियाओं की नकल करने का अभ्यास करते हैं - एक-दूसरे का प्रतिबिम्ब दिखाते हैं। उन्हें विभिन्न जानवरों की तरह क्रिया करने दें।
- एक जोड़ी चुनें। उन्हें अलग करें और उन दोनों के बीच में किसी अन्य व्यक्ति को किसी एक की ओर अपना चेहरा सामने रखते हुए बैठने कहें। बैठे हुए व्यक्ति के पीछे जो जोड़ी का सदस्य है एक जानवर की तरह चलना शुरू कर देता है। जोड़ी का दूसरा सदस्य उसकी क्रियाओं का नकल करता है। बैठे हुए व्यक्ति को यह अनुमान लगाना पड़ता है कि किस जानवर की नकल की जा रही है।

सवाल जवाब:

निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करें:

- बैठने वाले व्यक्ति को कैसे होता है कि उनके पीछे व्यक्ति क्या कर रहा था जब वे उन्हें नहीं देख सकते थे?
  बैठे हुए व्यक्ति को पता था क्योंकि सामने वाला व्यक्ति यह दर्शा रहा था कि पीछे वाला व्यक्ति क्या कर रहा था।
- क्या यह वैसा ही है जैसा लोग हमारे समुदाय में होते हैं, हम परमेश्वर को प्रदर्शित करते हैं?
  हम उसके स्वरूप में बदल जाते हैं (2 कुरिन्थियों 3:18) हम उसके उदाहरण के पीछे चलते हैं (इफिसियों 5:1,2) दूसरे लोग परमेश्वर को हमारे अन्दर देखते हैं (1 पतरस 2:12)

  इसके लिये हमारी शक्ति का स्रोत क्या है?
  मसीह हममें रहता है (फिलिप्पियों 4:13; कुलुस्सियों 2:6,7; 2 कुरिन्थियों 4:7-10)

हम अक्सर सोचते हैं कि केवल असाधारण और परिपक्व लोग ही परमेश्वर के गुणों को प्रगट कर सकते हैं। वह केवल असाधारण और परिपक्व लोग उसे महिमा दे सकते हैं और उसकी सेवा कर सकते हैं। लेकिन क्या यह वही बात है जो बाइबिल कहती है?

परमेश्वर बच्चों के माध्यम से काम कर सकता है (25 मिनट)

नाटक:

मत्ती 21:6-16 को बोलकर और अलग-अलग लोगों को शामिल करते हुए पूरे समूह को अपनी नाट्यकला दिखाने के लिये शामिल करें: यीशु और गधा; मन्दिर विक्रेताओं; भीड़ में बच्चे; अंधा और लंगड़ा; धार्मिक अगुवे। आपके बाद उन्हें वचनों को दोहराने के लिये प्रोत्साहित करें, उदाहरण के लिये भीड़ के सभी लोग "दाऊद के पुत्र की होसन्ना" आदि कहते हैं।

आपके द्वारा इन वचनों को नाटक रूप में प्रस्तुत करने के बाद, जिन लोगों ने अलग-अलग 'पात्रों' को निभाया इन सवालों को पूछें।

- धार्मिक अगुवे, बच्चों के चिल्लाने के प्रति आपका दृष्टिकोण क्या है? आप इस तरह से विचार क्यों करते हैं?
  वे मन्दिर में अशान्ति फैला रहे हैं। वे निन्दा करते हैं, और दावा करते हैं कि यीशु मसीह है। परमेश्वर के लिये उनकी शानदार प्रशन्सा और यीशु धार्मिक नेताओं को लज्जित कर रहा है, जो यह मानते हैं कि यीशु मसीह नहीं है। बच्चे बड़ों से कह रहे हैं।
- बच्चे: आप यीशु के बारे में क्या सोचते हैं? वह कौन है? आप उसके बारे में कैसा महसूस करते हैं?
  वह मसीह है - हम बाइबिल में दिए नाम का प्रयोग कर रहे हैं और इसका मतलब वही है। हम जानते हैं कि वह कोई विशेष व्यक्ति है - परमेश्वर का चुना हुआ।
- यीशु: बच्चों ने जो किया उसके बारे में आप क्या सोचते हैं?
  इसे प्रोत्साहित किया, धार्मिक अगुवों को डाँटा।

सामान्यतया, हम उन लोगों से प्रभावित होते हैं और सुनते हैं जिन्हें हम सोचते हैं कि वे महत्वपूर्ण हैं। परन्तु बाइबिल विशेषता दिखाता है कि परमेश्वर उन लोगों का उपयोग करता है जो निर्बल हैं जो उसके उद्देश्यों को पूरा करते हैं।

बाइबिल से जानना:

कार्यपुस्तिका में सवाल देखने और जवाब देने के लिये आयतों का एक अलग सेट, 3- 5 की गुटों को दीजिए। 10 मिनट के बाद, प्रत्येक गुट अपने निष्कर्षों पर वापस विवरण दें।

- इन आयतों में हम किन मुख्य विचारों को देखते हैं?

  जबकि हम मनुष्य होने के कारण परमेश्वर की तुलना में कमजोर और तुच्छ हैं, वह हमें उपयोग करने के लिये चुनता है। कमजोर और तुच्छ (हम सभी - युवा और बूढ़े और सभी आयु के, सभी विभिन्न प्रकार और स्तर के गुणों) का उपयोग करके परमेश्वर की महानता और महिमा प्रकट होती है। वह निर्बल को चुनता है कि बुद्धिमान को लज्जित करे।

हम जानते हैं कि बच्चों के पास सभी जवाब नहीं होते हैं। वे लोग 'अबोध' होते हैं, अक्सर कमजोर और शक्तिहीन होते हैं। लेकिन परमेश्वर उन्हें शक्तिशाली रूप में उपयोग कर सकता है।

हमें बच्चों को सेवा प्रदान करने की आवश्यकता है (25 मिनट)

वे इस्तेमाल होना चाहते हैं! जब वे पूरी तरह से समझ जाते हैं कि परमेश्वर कौन है और उसका प्रेम हमारे लिये है, तो वे इसके बारे में चुप नहीं रह सकते हैं!

वीडियो:

'वॉइस ऑफ अ चाइल्ड' देखें। लोगों को उनके प्रभावी विचारों को साझा करने की अनुमति दें, जो वे देख चुके हैं। यदि सम्भव हो तो, यीशु के साथ उनके बढ़ते सम्बन्धों के प्राकृतिक परिणाम के रूप में उनके आसपास के लोगों को बदलने वाले कुछ कहानियों को बताएँ।

बच्चे कमजोर हो सकते हैं परन्तु परमेश्वर इनका उपयोग कर सकता है और करेगा। यद्यपि, उन्हें हमारी मदद की आवश्यकता है। हम उन्हें सेवा करने के लिये तैयार करते हुए उनकी सहायता कर सकते हैं, उचित अवसरों को दे सकते हैं और उन्हें नए कार्यों को करने के प्रयास के लिये प्रोत्साहित कर सकते हैं।

दिमागी मंथनः

एक फ्लिपचार्ट पेज पर तीन कॉलम बना लें – तैयारी, अवसर, प्रोत्साहन। लोग जोड़ी बनाते हुए और पोस्ट-इट नोट्स पर तीनों कॉलम के लिये जितना सम्भव हो विचारों को लिख लें। समूह उत्तर दे और सामान्य विचार को खोजें।

- आप क्या सोचते हैं कि बच्चों के लिये हमारे परिवार और कलीसियाओं में परमेश्वर की सेवा करने के लिये उन्हें स्वतन्त्र करने के लिये हमें दो या तीन सबसे महत्वपूर्ण काम करना है?
  यह हर स्थिति में अलग होगा। सुनिश्चित करें कि आपकी परिस्थितियों में विचार व्यावहारिक और योग्य हैं।
- वर्णन करें कि बच्चे अपने परिवार और कलीसियाओं में कैसी सेवा कर रहे हैं या फिर नहीं कर रहे हैं?
  लोगों को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों विचारों के साथ आना सुनिश्चित करें।
- चीजों को बेहतर बनाने के लिये क्या करना होगा?
  अल्पकालिक, यथार्थवादी कार्यों के लिये चर्चा को बनाए रखने की कोशिश करें। बड़ी बड़ी योजनाओं की तुलना में इनके होने की सम्भावना वास्तव में अधिक है। चुनौती गतिविधि एक सम्भावना है।

चुनौती गतिविधि (10 मिनट)

योजना:

इस समय यह गतिविधि बच्चों के एक समूह से यह पूछने के लिये है कि वे परमेश्वर के मिशन में कैसे भाग लेना चाहते हैं। उनके साथ सम्भावनाओं की एक सूची बनाएँ और जो वे करने वाले हैं उसे चुनने में उनकी मदद करें। बच्चों की सहायता करें जैसा कि वे अपनी योजना तैयार करते हैं। यदि सम्भव हो, तो इस समूह को दिखाने के लिये कुछ तस्वीरें लें!

बच्चों के साथ काम करते समय सावधानी -

> वयस्क और किशोरों को किसी बच्चे के साथ अकेले नहीं होना चाहिए जब वे सार्वजनिक क्षेत्र में नहीं होते हैं।
>
> बच्चे जो करना चाहते हैं उसके लिये अभिभावकों से अनुमति प्राप्त करें - इससे भी बेहतर, माता-पिता को इसमें शामिल होने के लिये आमंत्रित करें!
>
> बच्चों को ऐसा कुछ करने पर दबाव न डालें जो वे आराम से नहीं कर पा रहे हैं।
>
> यह दूसरों के साथ परमेश्वर के प्रेम को बाँटने के बारे में है, 'प्रदर्शन करने' के बारे में नहीं। बच्चे आपसे संकेत को प्राप्त करते हैं और आप इस कार्य योजना के बारे में कैसे बात करते हैं। यहाँ तक कि यदि कार्य वैसा नहीं होता जैसे योजना बनाई गई है, तो वे बहुत कुछ सीखेंगे और परमेश्वर के राज्य के लिये एक प्रभाव होगा।

समीक्षा करें (5 मिनट)

जब हम उन्हें उदाहरण के द्वारा दिखाते हैं, और पूरे सुसमाचार को पूरे समाज में रखने के लिये मिशन में शामिल होने की अनुमति देते हैं, तो यह पूरी कलीसिया द्वारा सुसमाचार बन जाता है, जहाँ बच्चे परिवर्तन कर्ता के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। एक बात को लिखिए जिसने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया और एक बात परिणामस्वरूप जिसे आप करनेवाले हैं।

गहराई से समझने में सहायता करने वाले टूलबॉक्स संसाधन

विचार करना

- टूटेपन से पूर्णता की ओर: बच्चों के लिये परमेश्वर की इच्छा
- बच्चों का सुसमाचार प्रचार
- क्विटो के जोखिम में फँसे बच्चों के लिये कदम उठाना या जोखिम में फँसे बच्चे मिशन सह-कर्मी के रूप में
- बच्चे, कलीसिया और मिशन
- जोखिम में फँसे बच्चे मिशन सह-कर्मी के रूप में
- छोटा लक्ष्य या Aim Lower (वीडियो)
- TODAY (वीडियो)

1 फर 50 बारह प्रशिक्षण

- अध्याय १३: बच्चों के साथ साझेदारी

कार्यक्रम और पाठ्यक्रम

- बच्चों की दुनिया
- सामुदायिक स्वास्थ्य सुसमाचार कार्य
- सर्वश्रेष्ठ रहस्य वाले कार्ड
- बच्चों का मंच

सत्र 5: के साथ

परिणाम:

शिष्यत्व के सम्बन्धपरक पहलुओं का मूल्य देखें और उन्हें उच्च प्राथमिकता दें।

मुख्य विचार

- हर बच्चे को उसके साथ साथ चलने के लिये किसी की जरूरत होती है - इसमें परमेश्वर, परिवार और मसीह की देह शामिल है।
- सार्थक, सहायक सम्बन्ध बनाने के लिये समय और प्रयास लगते हैं।

अतिरिक्त सामग्री:

- चेयर लिफ्ट: लकड़ी या धातु की मजबूत कुर्सी
- खोई हुई भेड़ वीडियो (www.max7.org/en/resource/lostsheep) और उसे दिखाने का तरीका

सत्र

वापस विवरण दें और अवलोकन करें (10 मिनट)

- जैसा कि आपने अवलोकन किया कि बच्चे कैसे सीखते हैं तो आपने क्या देखा?
- क्या आप एक सुझाव दे सकते हैं कि कलीसिया कैसे परमेश्वर के बारे में जानने के लिये बच्चों की मदद करने का बेहतर काम कर सकती है, तो यह क्या होगा?

इन विचारों को दर्ज करें और संक्षेप में बात करें कि इन्हें कैसे कार्यान्वित किया जा सकता है

अब तक हमने बच्चों के बारे में बहुत कुछ सीख लिया है और यह देखना शुरू कर दिया है कि उनके शिष्यत्व में क्या शामिल है जैसा कि हमने बच्चों का हर जगह चलना देखा है। इस बार हम के साथ के बारे में सोचना चाहते हैं - ऐसे रिश्ते जो यीशु के चेले बनने के लिये बच्चों की मदद करने के लिये आवश्यक हैं।

हम इसे अकेले नहीं कर सकते! (5 मिनट)

प्रदर्शन:

कुर्सी ऊपर उठाना - यह दर्शाता है कि एक व्यक्ति भारी वस्तु नहीं उठा सकता है, लेकिन अगर हम सब मिलकर काम करते हैं, तो हम ऐसा कुछ कर सकते हैं जो असम्भव लगता है।

- एक व्यक्ति को कुर्सी पर बैठने के लिये कहें और 5 सेकंड के लिये खुद को और कुर्सी को (अपने पैरों / टांगों का इस्तेमाल नहीं करते हुए) जमीन से ऊपर उठाने का प्रयास करने को कहें। असम्भव।
- अब किसी और को खुद को कुर्सी के साथ उठाने का प्रयास करने के लिये कहो। बहुत मुश्किल या असम्भव।
- उठाने की सहायता के लिये 3 और लोगों को बुलाएँ। फिर पूरे समूह के साथ मदद करने की कोशिश करें। हर एक को बस कुर्सी के नीचे केवल 2 अंगुलियों का इस्तेमाल करते हुए कुर्सी को उठाने का मज़ा लिया जा सकता है।

परमेश्वर ने हमें इस यात्रा में अकेले चलने के लिये नहीं कहा। हम ऐसा नहीं कर सकते! हर बच्चे के साथ साथ किसी और को चलने की जरूरत होती है।

परमेश्वर के साथ सम्बन्ध (20 मिनट)

वीडियो:

एक बच्चे का सबसे महत्वपूर्ण रिश्ता खुद परमेश्वर के साथ होता है। बाइबिल में हमारे इस रिश्ते की एक तस्वीर चरवाहा और भेड़ का है। खोई हुई भेड़ वीडियो दिखाएँ।

- इस कहानी से परमेश्वर के साथ हमारे सम्बन्धों के बारे में हम क्या सीखते हैं?
  चरवाहा का भेड़ के साथ एक अच्छा रिश्ता होता है, वे उसकी आवाज़ को जानते हैं, वह जानता है जब उनमें से एक भी गुम हो जाता है, वह हमेशा उन्हें देखता रहता है और वे ठीक रहें यह सुनिश्चित करने के लिये बहुत सारी बलिदान करता है, यहाँ तक कि जंगली जानवरों से उन्हें सुरक्षित रखने के लिये अपने जीवन को जोखिम में डालता है।

परमेश्वर प्रेम है और वह सक्रिय रूप से हमारे साथ एक सम्बन्ध चाहता है। हम इस रिश्ते के बिना मसीही नहीं हो सकते -
यह हमारी शक्ति है जो हमें चलाए रखने में ईंधन का काम करती है।

- वे कौन सी बातें हैं जो परमेश्वर के साथ हमारे रिश्ते में सहायता करती हैं और वे जो इसमें रुकावट डालती हैं?
  पेपर के बीच में एक रेखा खींचें और एक ओर मदद और दूसरी ओर रुकावट लिखें। लोगों को उनके विचारों को पोस्ट-इट नोट्स पर लिखने दें, फिर उन्हें उचित शीर्षक के साथ फ्लिपचार्ट पेपर पर रखना है। समान पोस्ट-इट्स को एक साथ रखें। इसकी मुख्य बातों को दिखाने के लिये शीर्षक को पहचान कर पेपर पर लिखें।

- बच्चों के लिये ये बातें किस तरह दिखती हैं? वे किन रुकावटों का सामना कर सकते हैं? हम उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?

  उदाहरण के लिये: जब जरूरत हो युवाओं के सामने बाइबिल पढ़े और फिर सिखाएँ कि परमेश्वर के साथ खुद के लिये नियमित रूप से समय कैसे बिताना चाहिए। व्यस्त परिवार के जीवन में मदद या रुकावट आ सकती है - कुछ सकारात्मक प्रयोग क्या हैं जो हमें प्रोत्साहित कर सकते हैं और हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि परमेश्वर के साथ समय बिताने के लिये हम बहुत व्यस्त नहीं हैं? उन्हें नकारात्मक समान योग्यता वाले लोगों के दबाव से उबरने में मदद की ज़रूरत है - उन्हें सिखाएँ कि परमेश्वर के वचन के अनुसार अच्छा चुनाव कैसे करें।

दूसरों के साथ सम्बन्ध (40 मिनट)

परमेश्वर भी जानता है कि हमें अन्य लोगों के साथ सम्बन्धों की आवश्यकता है। यही कारण है कि वह हमें परिवारों और मसीह के देह में रखता है।

नक्शा पर ध्यान दें:

डिब्बे के मध्य में अपना नाम लिखें। अन्य लोगों के नामों के लिये रेखाएँ बनाएँ जो अब आपके जीवन में प्रभावशाली रहे हैं या अब भी हैं। उदाहरण के लिये अपने परिवार, कलीसिया, स्कूल, काम और खेल टीमों के लोगों के बारे में सोचें। जिन लोगों ने परमेश्वर के साथ आपके चलने को मजबूत किया उनपर सही का निशान लगाएँ और जिन्होंने उसे कमजोर किया उनपर गलत का निशान लगाएँ।

तीन लोगों गुट बनाएँ और नक्शे पर ध्यान दें एक या दो सम्बन्धों के बारे में बताएँ जिसने परमेश्वर के साथ उनके सम्बन्धों (अच्छे या बुरे) को प्रभावित किया है।

पिछले सत्र में हमने एक महत्वपूर्ण बाइबिल अनुच्छेद को पढ़ा जो बताता है कि कैसे बच्चे परमेश्वर के बारे में सीखते हैं और उसके लिये जीते हैं। पढ़ें: व्यवस्थाविवरण 6: 6-9। यह यात्रा घर से शुरू होती है। एक बच्चे का परिवार बच्चे के जीवन में सबसे पहले और सबसे अधिक प्रभावशाली होता है। बच्चे यीशु के साथ उसी प्रकार चलना सीखते हैं जैसे माता-पिता और घर के अन्य लोगों के लिये वह आदर्श स्वरूप होता है। जब माता-पिता घर पर नहीं होते हैं या परिवार का सकारात्मक परिवेश नहीं होता है, तो अन्य लोगों को इस भूमिका में कदम उठाने की जरूरत है। यह अनुच्छेद इस्राएलियों के पूरे समुदाय को यह समझने के लिये पढ़ा गया था कि समुदाय में सभी लोग परमेश्वर के बारे में जानने के लिये बच्चों की मदद करने के लिये जिम्मेदार थे। ये रिश्ते अक्सर बाइबिल में आधारित होते हैं।

बाइबिल से जानना:

तीन लोगों के अपने गुटों में, कार्यपुस्तिका में सूचीबद्ध अनुच्छेदों को देखें और वहाँ दिए प्रश्न का उत्तर दें

इन उदाहरणों से, हम देख सकते हैं कि इन महत्वपूर्ण रिश्तों के माध्यम से परमेश्वर कैसे काम करता है। हम अपनी स्वयं की कलीसिया की दशा में क्या देखते हैं?

- हम कलीसिया के लोगों के लिये - पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच - एक-दूसरे को जानने और एक दूसरे के जीवन का हिस्सा बनने के लिये समय और स्थान कैसे देते हैं?
  उन्हें सकारात्मक उदाहरण ढूँढ़ने के लिये प्रोत्साहित करें जिससे उन्नति प्राप्त किया जा सकता है।
- हम किन किन चुनौतियों का सामना करते हैं और हम उन्हें कैसे दूर कर सकते हैं?
  इन उत्तरों को जितना सम्भव हो असरदार बनाने की कोशिश करें। इस सप्ताह क्या किया जा सकता है?

चुनौती गतिविधियाँ (5 मिनट)

कार्यपुस्तिका में विकल्पों को पढ़ें और लोगों को यह चुनने के लिये एक क्षण दें कि वे कौन सा चुनते हैं।

समीक्षा करें (10 मिनट)

अपनी कार्यपुस्तिका में, एक नया विचार लिखो जो आपको इस सत्र में मिला।

आपके तीन लोगों के गुटों में, एक दूसरे के लिये और बच्चों के साथ आपके सम्बन्ध के लिये प्रार्थना करने में कुछ समय बिताएँ ।

गहराई से समझने में सहायता करने वाले टूलबॉक्स संसाधन

विचार करना

- टूटेपन से पूर्णता की ओर: बच्चों के लिये परमेश्वर की इच्छा

1 फर 50 बारह प्रशिक्षण

- अध्याय 4: बच्चों के साथ रिश्ते का निर्माण (महत्वपूर्ण शिक्षा भी)
- अध्याय 9: शिष्यों के रूप में बढ़ने में बच्चों की मदद करना
- अध्याय 12: परमेश्वर के राज्य का निर्माण एकसाथ करना

1 फर 50 पारिवारिक प्रशिक्षण

- अध्याय 5: बच्चों के साथ बातचीत करना
- अध्याय 6: परवरिश ताकि बच्चे अच्छे से बढ़ें
- अध्याय 12: कलीसिया में पारिवारिक सेवकाई

सीखना, कार्य रूप देना, प्रशिक्षण देना, सिखाना

- सत्र 1: प्रेम प्रकट करना
- सत्र 2: खेल खेलना

रेडी सेट गौ प्रशिक्षण

- सत्र 9: सम्बन्धित अगुवापन
- सत्र 13: सक्रिय बच्चों को अनुशासित करना

कार्यक्रम और पाठ्यक्रम

- बच्चों की दुनिया
- पूरे जीवन की पाठशाला / उबाबलो

सत्र 6: चलते हैं

परिणाम:

समझें कि सीखना एक आजीवन यात्रा है और सीखने की सुविधा के कई अलग-अलग अनुभवों और तरीकों का पता लगाएँ।

मुख्य विचार

- सीखना एक सतत् प्रक्रिया है - जीवन का हर अनुभव सीखने का अवसर है।
- हर बच्चा अच्छा से अच्छा सीखने के तरीके में अनोखा होता है।

अतिरिक्त आवश्यक सामग्री

- अराउंड द वर्ल्ड गेम: से सम्बन्धित जानकारी और इनाम

सत्र

वापस विवरण दें और अवलोकन करें (15 मिनट)

- हमारे परिवार या समुदाय के बच्चों के लिये हमने 'सुरक्षित पृष्ठभूमि' बनाने की इच्छा की फिर क्या हुआ?
- हमें किस तरह की प्रतिक्रिया मिली?
- हमने क्या सीखा?
- हमें इस कार्य योजना को जारी रखने के लिये क्या करने की आवश्यकता है?

  व्हाइटबोर्ड या फ्लिपचार्ट शीट पर उनके विचारों को अंकित कर लें। उन्हें उनकी कार्यपुस्तिकाओं में कुछ विचारों को लिखने के लिये प्रोत्साहित करें।

अब तक, हमने बच्चों को हर जगह देखा है (सत्र 1 से चित्र दिखाएँ)। इसने हमें उन बच्चों की बेहतर समझ दी है जिनके साथ हम काम करते हैं। अब हम विशेष रूप से देखेंगे कि हम बच्चों को परमेश्वर से परिचय और उन्हें उसके बच्चों के रूप में शिष्य कैसे बना सकते हैं। हम चलते हैं की ओर देखते हुए शुरू करेंगे और देखेंगे कि कैसे वे परमेश्वर के साथ अपने ज्ञान में और उसके मार्ग को सीखते और बढ़ते हैं ताकि वे उसके साथ कदम मिलाकर चल सकें।

सीखना लगातार यात्रा करना है (25 मिनट)

गेम:

अराउंड द वर्ल्ड - समूह को 2-3 लोगों की गुटों में विभाजित करें। यह खजाने की खोज खेल की तरह खेला जाता है। आपको एक संकेत दिया जाता है जो आपको दूसरे तक आगे बढ़ाता है। क्रम से सभी जगहों को खोजने वाली पहली टीम विजेता है। तैयारी के लिये:

- उस स्थान के आसपास 5-6 जगह निर्धारित कर लें जिस जगह पर आप मिलेंगे - ये सभी जगह मिलने वाले जगह के अन्दर हो सकते हैं, या आस-पास के पड़ोस के स्थानों में जगहों को शामिल कर सकते हैं, लेकिन समय की कमी के कारण बहुत दूर नहीं होना चाहिए। सबसे अच्छा यह होगा यदि एक स्थान को दूसरे से आसानी से देखा जा सके। इसी क्रम में काम करें, जिसमें गुट प्रत्येक स्थान पर जा सके।

- प्रत्येक स्थान के लिये एक संकेत के बारे में सोचें - कुछ ऐसा सोचें जिसमें समय कम लगे, और बहुत कठिन भी न हो।
- उन जगहों के चारों ओर संकेत पर ध्यान दें - प्रत्येक संकेत को अगले स्थान की ओर इंगित करता हो जहाँ गुट को जाने की जरूरत है।
- समूह को 2-3 लोगों की गुटों में विभाजित करें। प्रत्येक गुट को पहले स्थान के बारे में संकेत दें।
- गुट को दिए गए संकेत के आधार पर पहले स्थान की ओर आगे बढ़ना है और वहाँ जाना है। जब वे वहाँ जाते हैं, तो उन्हें अगले स्थान का संकेत मिलेगा। उन्हें तब तक संकेत मिलता रहेगा जब तक वे सभी संकेतों को पूरा नहीं करते हैं और अन्तिम स्थान पर पहुँचकर खत्म नहीं करते हैं।

सवाल-जवाब:

खेल समाप्त होने पर, गुटों को इन सवालों पर चर्चा करना है:

- क्या आपने इस चुनौती का आनन्द लिया?
- वह क्या था जिससे आपको खेल को पूरा करने में मदद मिली? (उनके लिये जिन्होंने इस खेल को आखिरी तक खेला)
  एक साथ काम करना, रचनात्मक सोचना, दूसरों को करते हुए देखना
- आपको किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?
  दिए गए संकेत समझ में नहीं आए, संकेत नहीं मिला, पूरा नहीं कर पाए
- *आपको इस खेल से क्या क्या सीखने को मिला?*
  सम्भावित बिंदु: हम हमेशा सीखते रहते हैं। सीखने की प्रक्रिया में कभी-कभार समस्याएँ आ सकती हैं जिनसे आपको निपटना होता है। कुछ लोग अन्य लोगों की तुलना में तेजी से जानकारी को पढ़ते और व्याख्या कर लेते हैं, यह उनकी क्षमता पर निर्भर करता है। कुछ लोग तुरन्त समझ जाते हैं जबकि दूसरों को विचार प्रगट करने और प्रतिक्रिया करने में समय लगता है। हम अक्सर अन्य लोगों के प्रयासों से प्रोत्साहित होते हैं।

सीखने के विभिन्न तरीके (40 मिनट)

बाइबिल से जानना:

पूरे समूह के बीच व्यवस्थाविवरण 6: 6-9 पढ़ें और फिर कार्यपुस्तिका में प्रश्न का उत्तर देने के लिये छोटी टीमों में बट जाएँ। प्रतिभागियों को इन वचनों को अपने रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत करने के लिये कहें, उदाहरण के लिये कुछ इसकी व्याख्या कर सकते हैं, कुछ लोग गाने, शब्द रचना, कविताएँ बना सकते हैं, कला, हस्तकला, रंग भरना, फोटोग्राफी, नाट्य कला आदि प्रस्तुत कर सकते हैं।

15 मिनट के बाद, अपनी प्रस्तुतियों को दिखाने के लिये गुटों को वापस लाएँ।

हमें एहसास होना चाहिए कि शिक्षा विभिन्न तरीकों और स्थानों से प्राप्त होती है। कुछ बहुत ही सरल चीजें गहन सीखने के अनुभव हो सकते हैं। चलते समय, लेटे हुए, कलीसिया में, आस-पड़ोस में, हमारी प्रकृति में या शहर में सीखा जा सकता है। हमें केवल कई परिस्थितियों को जानबूझकर पहचानने की ज़रूरत है जो हमें सीखने के अवसरों को प्रदान करते हैं।

हमें यह भी महसूस करना होगा कि अलग-अलग बच्चे अलग-अलग तरीके से सीखते हैं। कई शिक्षाविदों ने इसका अध्ययन किया है और हम उनसे सीख सकते हैं। यद्यपि, यह वास्तव में बहुत सरल है। बच्चों को सीखने में मदद करने का सबसे अच्छा तरीका उन्हें जानने में और उनके साथ समय बिताने में है। तब आपको जल्द ही पता चल जाएगा कि सीखने में उनकी मदद कैसे करें। इसी कारण परिवार बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। बच्चे हर समय अपने परिवार में रहते हैं। वे लगातार घर में सीख रहे होते हैं और अच्छे और बुरे के लिये माता-पिता का उनके जीवन में एक शक्तिशाली प्रभाव पड़ता है। वे अक्सर उन बातों से अनजान होते हैं जो उनके बच्चे उनसे सीख रहे होते हैं।

कुछ अन्य परिस्थितियाँ कौन सी हैं जिनका उपयोग आप सीखने के अवसरों को बढ़ाने के लिये कर सकते हैं?

लोगों को उन कुछ वास्तविक व्यावहारिक चीजों के बारे में सोचने के लिये प्रोत्साहित करें जो वे अपने रोज़मर्रा के जीवन में तुरन्त शुरू कर सकते हैं। उदाहरण के लिये:

- जन्मदिन समारोह में आप उन्हें साझा करने, या दूसरों का स्वागत करने के बारे में सिखाने का अवसर ले सकते हैं।
- यदि कोई बच्चा ठोकर खाकर गिर जाता है और उसे चोट लगती और वह रोता है, तो इस बात की सराहना करते हुए उसे यह सिखाने के लिये अवसर का इस्तेमाल कर सकते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें उनकी हड्डी को टूटने से बचाया है, आप उन्हें उनकी चोट के बारे में और दूसरों के लिये जिन्हें चोट लगी हो प्रार्थना करने सिखा सकते हैं।
- जब आप एक पार्क में जाते हैं और वे परमेश्वर की सृष्टि को देखते हैं, तो उनके सारे ज्ञान का उपयोग करके सृष्टि के बारे में जानने में उनकी सहायता करें। प्रकृति में निहित विभिन्न चीजों को देखने, सुनने, स्पर्श करने, स्वाद और सुगंध लेने के लिये उन्हें प्रोत्साहित करें।
- यदि कोई बच्चा गिनतियों या संख्याओं को जानने में चतुर हो तो हम अपने शिक्षण में आँकड़ों के उपयोग को शामिल कर सकते हैं जैसे कि यह सोचते हुए कि यीशु ने 5000 लोगों को भोजन कराने के लिये कितना भोजन दिया।
- चीजों को याद करने में गाने बच्चों की मदद कर सकते हैं - खासकर यदि वे कविता या संगीत के रूप में होते हैं।
- यदि कोई बच्चा पढने में बहुत अच्छा है, तो उन्हें पढ़ने के लिये अच्छी अच्छी किताबें दें।
- जो अभिनय और हास्यकारक बातें पसंद करते हैं उन्हें भूमिका निभाने या प्रदर्शन करने के अवसर दिए जा सकते हैं।
- कई बच्चे खेल में अधिक रूचि रखते हैं, इसलिये बाइबिल आधारित जीवन गुणों को सिखाने के लिये खेल के नियमों और सिद्धान्तों का उपयोग करें।

चुनौती गतिविधि (5 मिनट)

सत्रों के बीच इस बार, आपकी चुनौती का यह अवलोकन करना है कि हमारे घरों और कलीसिया की गतिविधियों में बच्चे किस तरह सीख रहे हैं। इसमें औपचारिक शिक्षा शामिल हो सकती है जैसे कि स्कूल और सन्डे स्कूल का पाठ, या यह अनौपचारिक सीख भी हो सकता है जैसे गाने सुनना या घर में मदद करना या दूसरों को देखना कि वे कैसे कार्य करते हैं। ध्यान से देखें! बच्चे हर समय सीखते रहते हैं - यह तो उनका काम है! क्या हम यह सुनिश्चित करने का एक अच्छा काम कर रहे हैं कि हम जो कर रहे हैं वह प्रभावी और जीवन-निर्माण करनेवाला कार्य है? इसमें सुधार लाने के लिये हम क्या कर सकते हैं? अपनी कार्यपुस्तिकाओं में अपने अवलोकन पर टिप्पणी करें ताकि अगली बार हम उनकी चर्चा कर सकें।

प्रभावकारी विचार (5 मिनट)

- इस सत्र में आप किस बात से प्रोत्साहित हुए?
- इस सत्र में सबसे ज्यादा आपको किस बात पर चुनौती मिली?
  अपनी सोच को अपनी कार्यपुस्तिका में लिखें।

गहराई से समझने में सहायता करने वाले टूलबॉक्स संसाधन

1 फर 50 बारह प्रशिक्षण

- अध्याय 5: बच्चों को सिखाने की तैयारी
- अध्याय 11: परिवारों को शामिल करना (महत्वपूर्ण शिक्षा भी)

1 फर 50 परिवार प्रशिक्षण

- अध्याय 3: समझना कि बच्चे कैसे बढ़ते हैं
- अध्याय 6: परवरिश करना ताकि बच्चे बढ़ें
- अध्याय 9: अपने बच्चे को अनुशासित बनाना
- अध्याय 10: पारिवारिक आराधना
- अध्याय 11: परिवारों को उनके बच्चों को शिष्य बनाने में सहायता करना

सीखें, कार्य रूप दें, प्रशिक्षण दें, सिखाएँ

- सत्र 3-7: बाइबिल की कहानी सिखाना
- सत्र 8: गीत और प्रार्थना

रेडी सेट गौ प्रशिक्षण

- सत्र 2: खेलों के माध्यम से सीखें
- सत्र 3,4: बच्चे और युवा लोग कैसे सीखते हैं
- सत्र 5: बच्चों को सिखाने के कई तरीके
- सत्र 6: सिखानेयोग्य क्षण
- सत्र 7: बच्चों के लिये सुसमाचार उपकरण
- सत्र 10: अनुशासन - प्रोत्साहन और सुधार
- सत्र 11: सक्रिय रूप से सुनना और प्रभावशाली प्रश्न
- सत्र 13: सक्रिय बच्चों को अनुशासित बनाना

कार्यक्रम और पाठ्यक्रम

- मैक्स7 पाठ्यक्रम
- तरस केन्द्रित पाठ्यक्रम
- बच्चों की दुनिया
- ग्लोबल कम्युनिटी गेम्स
- पूरे जीवन की पाठशाला

सत्र 7: अगला कदम

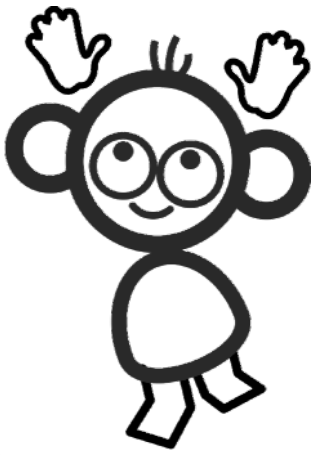

परिणाम

अगले चरण और अधिक कार्य को पूरा करने के लिये एकसाथ काम करने के तरीकों का पता लगाएँ।

मुख्य विचार

- अकेले से अधिक हम एक साथ मिलकर कर सकते हैं।
- हमारी स्थिति के लिये आगे क्या करना है?

अतिरिक्त सामग्री

- रोबोट दौड़: कुर्सी और वस्तु

सत्र

वापस विवरण दें और अवलोकन करें (15 मिनट)

हमारी चुनौती गतिविधि को इस समय एक कार्य योजना पर बच्चों के एक समूह के साथ काम करना था। प्रत्येक टीम के पास अब कार्यपुस्तिका में दिए गए प्रश्नों के आधार पर समूह में वापस विवरण देने के लिये 5 मिनट है।

- जैसा कि हम इन सभी परियोजनाओं को देखते हैं, क्या कोई ऐसी बात है जिसे हम बच्चों को सेवकाई में शामिल करने के बारे में सीख सकते हैं?

  ये सकारात्मक (जो बच्चे कर सकते हैं) और नकारात्मक (उनकी कमजोरियाँ, अपरिपक्वता और अनुभवहीनता के कारण सावधान रहने की बात है) हो सकते हैं।

हमने अब उन सभी पाँच क्षेत्रों को देख लिया है जो हर जगह बच्चों की मदद करने के लिये यीशु के साथ चलते हैं। यह एक बड़ा काम है! हम इसे अपने दम पर नहीं कर सकते।

एकसाथ काम करना (45 मिनट)

प्रदर्शन

रोबोट गेम - लोगों को किसी काम को – अपनी अलग-अलग सीमाओं और विभिन्न क्षमताओं के साथ एकसाथ करना चाहिए।

- तीन लोगों (मुख्यतः विभिन्न आयु वर्ग और लिंग के) को चुनें। तीन भूमिकाएँ हैं: रोबोट (खोजनेवाला), देखनेवाला और बुलानेवाला।
- रोबोट के आँखों पर पट्टी बाँध दी जाए। उसका काम निर्देशों को सुनना है कि बुलाने वाला उसे उस वस्तु को खोजने के लिये देता है जिसे देखनेवाला उसके सामने किसी न किसी स्थान पर रख देता है।
- बुलानेवाला रोबोट के विपरीत दिशा में रखी कुर्सी पर बैठता है। उसका काम रोबोट को निर्देश देना है। लेकिन वह उस वस्तु नहीं देख सकता। वह देखने वाले की ओर देखने पर निर्भर होता है कि उसे क्या कहना है।
- देखनेवाला रोबोट और वस्तु को देख सकता है लेकिन वह बात नहीं कर सकता। देखनेवाले को बुलानेवाले के निर्देशों को बताना है जिससे कि वह रोबोट का मार्गदर्शन उस वस्तु की ओर कर सके। वह इशारों का उपयोग कर सकता है लेकिन कोई आवाज नहीं करना है।

सवाल जवाब

निम्नलिखित प्रश्न पूछें

- निम्नलिखित प्रश्न पूछें ?वस्तु को उसके स्थान में रखने के लिये गुट के सदस्यों को किस प्रकार के गुणों की आवश्यकता थी?
  अच्छा संचार और सुनना / देखना, धीरज, सहयोग
- क्या आप समूह में तीनों में से किसी एक को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं? क्यों?
  सबसे अधिक महत्वपूर्ण कोई भी नहीं था। उन सब के बिना नहीं हो सकता था, क्योंकि किसी एक के पास सभी क्षमताएँ और जरूरी समझ नहीं थी।

बाइबिल से जानना

कार्यपुस्तिका में आयतों को पढ़ने के लिये उन्हें जोड़े में विभाजित करें और पोस्ट-इट नोट्स पर कुछ महत्वपूर्ण विचारों को लिखें। 10 मिनट के बाद, प्रत्येक जोड़ी किसी दूसरे जोड़ी के साथ अपने विचारों का साझा करें और समान विचारों को मिलाएँ। अन्त में चार लोगों का गुट बनाएँ उनके पोस्ट-इट को फ्लिपचार्ट शीट पर रख दें और अपने विचारों को पूरे समूह के साथ बाँटें। एक समान विचारों का समूह बनाएँ।

- आप क्या सोचते हैं क्या ये मुख्य कारण है कि परमेश्वर हमें एक साथ काम करने के लिये कहता है?

उसने हमें अलग-अलग क्षमताएँ दी है, हम उसके चरित्र को प्रगट करने के लिये बुलाए गए हैं कि कैसे हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं,
और हमें एक-दूसरे की सहायता की आवश्यकता है

दिमागी मंथन

एक अन्य फ्लिपचार्ट शीट पर, निम्नलिखित का उत्तर जमा करें:

- हमारे बच्चों के जीवन में कौन शामिल है?
  सिर्फ कलीसिया या मसीही समुदाय के लोगों के बारे में मत सोचो। शैक्षणिक, चिकित्सा, खेल और सरकारी समूह और किसी भी समूह को शामिल करें जिसके बारे में आपको लगता है।
- अधिक से अधिक कार्य को पूरा करने के लिये हम एकसाथ कैसे काम कर सकते हैं?
  यदि सम्भव हो, तो सकारात्मक समुदाय की भागीदारी से जुड़ी कहानी बताएँ। फ्लिपचार्ट शीट पर, कुछ ऐसे विचारों को लिखें जो स्थानीय संदर्भ में काम आ सकते हैं। उदाहरण: :

    - बच्चों के लिये एक छुट्टी क्लब चलाने के लिये कई कलीसिया एकसाथ काम कर रही हैं।
    - बुजुर्ग लोग और युवा लोग कलीसिया में एक कार्ययोजना पर एकसाथ मिलकर काम करते हैं।
    - अपनेपड़ोस को प्रभावित करने के लिये एकसाथ काम करने वाले परिवार।
    - स्थानीय स्कूलों की कक्षा में मदद करने, स्कूल में कार्य करने और धार्मिक शिक्षा देने के लिये काम करने वाले माता-पिता और कलीसिया के अन्य लोग काम करते हैं। स्कूल कलीसियाई गतिविधियों के लिये सुविधाएँ प्रदान कर सकता है।

जैसे-जैसे हम समुदाय में एकसाथ मिलकर काम करते हैं, हम अपने बच्चों के लिये परिवेश और अवसरों में सुधार तो करते ही हैं, परन्तु परमेश्वर के प्रेम को समुदाय में फैलाते भी हैं और कई बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। हर व्यक्ति और समूह इस कार्ययोजना के लिये अनोखे गुणों को लाता है। जब हम एकसाथ काम करते हैं तो हम बहुत अधिक काम कर सकते हैं।

पिछले हफ्तों की समीक्षा और भविष्य की योजनाएँ (30 मिनिट)

चर्चा

लोगों को उनके कार्यपुस्तिका में से देखने के लिये कुछ मिनट दें और बच्चों के हर जगह चुनौती में उन्होंने जो भी खोज की है उसकी समीक्षा करें।

- जैसे जैसे हम इन सत्रों से होकर गए कौन कौन सी बातें आपके सामने आईं, ? क्या नया देखने को मिला? किस बात ने आपको आश्चर्य किया? आपको किस बात से चुनौती मिली?
  हर किसी से कम से कम कोई एक बात साझा करने की कोशिश करें।
- आप आगे क्या करना चाहेंगे?
  - *परमेश्वर से मार्गदर्शन के लिये प्रार्थना करते हुए शुरुवात करें। इसके बाद लोग पोस्ट-इट नोट्स पर 1-3 विचार लिखें। उदाहरण के लिये; आगे की शोध की, प्रशिक्षण या संसाधनों की आवश्यकता; एक कार्ययोजना - या तो व्यक्तिगत या समूह या कलीसिया के रूप में; आगे की बातों को जानने की नई सम्भावनाओं पर काम करना होगा। इस पर काम करने के लिये उन्हें लगभग 3-5 मिनट दें।*
  - *फिर विचारों को एक फ्लिपचार्ट शीट और समान विचारों को एकसाथ रखें। क्या कुछ फर्क पड़ता है? आगे क्या होना चाहिए के बारे में परमेश्वर क्या कह रहा है? इन सत्रों का लक्ष्य यह है कि परमेश्वर बच्चों के प्रति लोगों के व्यवहार और कार्यों को बदलने के लिये उनका इस्तेमाल करेगा। प्रत्येक स्थिति के लिये यह कैसा प्रतीत होगा, जो अलग अलग होगा। इस बार जल्दी न करें। परमेश्वर को चर्चा और किए गए किसी भी निर्णय की अगुवाई करने की प्राथमिकता दें।*

इन सत्रों के माध्यम से, हम 'हर जगह यीशु के साथ चलने वाले बच्चे' के बारे में सोचने में समय ले रहे हैं। उनके लिये इसका क्या अर्थ है और इस यात्रा में परमेश्वर के लोगों को उनकी सहायता करने के लिये क्या लाभ होने वाला है। आइए हम एकसाथ अपने निर्णय पर चलने के लिये समर्पण रखें और हमारे परिवार में, हमारी कलीसिया में और हमारे समुदाय में एक अन्तर को लेकर आएँ।

बच्चों के लिये, कलीसिया और एक-दूसरे के लिये एकसाथ प्रार्थना करने के लिये समय निकालें।

गहराई से समझने में सहायता करने वाले टूलबॉक्स संसाधन

विचार करना

- Aim Lower (वीडियो)
- TODAY (वीडियो

1 फर 50 बारह प्रशिक्षण

- अध्याय 12: परमेश्वर के राज्य का निर्माण एकसाथ करना
- विवा- बच्चों के नेटवर्क प्रशिक्षण के लिये साथ-साथ

कार्यक्रम और पाठ्यक्रम

- सामुदायिक स्वास्थ्य सुसमाचार प्रचार
- पारिवारिक बातचीत

बच्चे हर जगह संसाधन के उपकरण सामग्री

उपकरण सामग्री बच्चों की सेवकाई में उपयोग के लिये स्वतंत्र रूप से उपलब्ध श्रेष्ठ संसाधनों को इकट्ठा करने और मुख्य रूप से प्रकाश में लाने के लिये चाहता है। इसमें दुनिया भर के संगठनों और व्यक्तियों द्वारा विकसित सर्वोत्तम विचार, प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम और कार्यक्रम शामिल हैं। इन संसाधनों को आवश्यकतानुसार उपयोग, अपनाने और साझा करने के लिये स्वतंत्र महसूस करें। बाल समूहों के लिये बच्चों की हर जगह चुनौती प्रत्येक सत्र के अन्त में विशिष्ट संसाधनों को संदर्भित करता है।

विचार करना

बच्चों हर जगह चुनौती - बाल समूहों के लिये

7 सत्र, जो हमें अपने संदर्भ का पता लगाने, हमारी सोच को फैलाने, और नई सम्भावनाओं को खोजने के लिये चुनौती देते हैं ताकि हम हमारे समुदाय में, देखेंगे कि बच्चे हर जगह यीशु के साथ चलते हैं। (www.max7.org/en/resource/CEchallengechurches - में भी उपलब्ध)

बच्चों को सुसमाचार प्रचार

सितम्बर 29 से 5 अक्टूबर, 2004 पटाया, थाईलैंड में लुसाने कमिटी फॉर वर्ल्ड इवेन्जलाईजेशन द्वारा मेजबानी करते हुए फोरम फॉर वर्ल्ड इवेन्जलाईजेशन 2004 में इस विषय पर इशू ग्रुप द्वारा लुसाने ओकेसनल पेपर को तैयार किया गया। (www.lausanne.org/content/lop/lop-47- में भी उपलब्ध)

बच्चे सुसमाचार से वंचित न रहें

यह बच्चों की सेवकाई की वास्तविकताओं और जरूरतों की रूपरेखा बताता है और दुनिया भर में कई मौजूदा योजनाओं का उपयोग किए जाने का ध्यान रखता है। लॉसेन डिस्कशन पेपर, अक्टूबर, 2010 में केप टाउन में आयोजित की गई थर्ड लॉसेन कांग्रेस ऑन वर्ल्ड इवेन्जलिसम के लिये लिखा गया था। (www.lausanne.org/content/there-are-no-unreached-children- में भी उपलब्ध)

बड़ा दर्शन, सरल तरीके

यह पेपर दुनिया के बच्चों तक पहुँचने के बड़े दर्शन को पूरा करने के कुछ सरल तरीकों पर एक नज़र डालता है।
(www.max7.org/en/resource/bigvision - - में भी उपलब्ध)

क्विटो ने जोखिम में फँसे बच्चों के लिये कदम उठाया

यह कदम चर्च को बच्चों को मिशन में गंभीरता से लेने के लिये उठाया जाता है, जो कि परमेश्वर के राज्य में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं का सम्मान करता है। हम अपने आपको बच्चों को जीवन के खतरों और दुर्व्यवहारों को सम्बोधित करने लिये कदम उठाने वाले कहते हैं, उन्हें परमेश्वर के उत्साही सेवक के रूप में सशक्त बनाते हैं। (www.lausanne.org/content/statement/quito-call-to-action-on-children-at-risk - - में भी उपलब्ध)

जोखिम में फँसे बच्चों के साथ मिशन

यह लॉसेन डिस्कशन पेपर लॉसेन कन्सलटेशन ऑन चिल्ड्रेन एट रिस्क का एक उत्पाद है, जिसका आयोजन 17 - 19 नवम्बर 2014 को क्विटो, इक्वाडोर में किया गया था। (www.lausanne.org/content/lop/mission-children-risk-lop-66- में भी उपलब्ध)

जोखिम में फँसे बच्चे मिशन में सह-सेवक के रूप में

विश्वव्यापी कलीसिया की बुलाहट सहयोगी योजनाओं को विकसित करने और जोखिम में फँसे बच्चों के साथ और के लिये मिशन पर जोर देने और कदम उठाने के लिये है। (www.lausanne.org/content/lga/2017-09/children-risk-co-agents-mission- में भी उपलब्ध)

टूटेपन से पूर्णता की ओर

यह उन लेखों और आरेखों का संग्रह है जो बाइबिल के शालोम और मानव उत्थान और हमारी जिम्मेदारियों के अर्थ को तलाशने के लिये तैयार किए गए हैं ताकि बच्चों को पूर्णता को जानने में सहायता मिल सके, जो उनके लिये परमेश्वर की इच्छा है।
(www.max7.org/en/resource/brokennesstowholeness- में भी उपलब्ध)

बच्चा, कलीसिया और मिशन

यह पुस्तक कलीसियाओं और सेमीनरी के छात्रों तक पहुँचने, प्रशिक्षित करने और बच्चों को सशक्त बनाने में मदद करने के लिये डिजाइन किया गया था ताकि वे कई पीढ़ियों तक अपने परिवर्तनकारी प्रभाव को अधिक से अधिक बढ़ा सकें। बाइबिल के दृष्टिकोण से, यह बच्चों, गरीबी और सम्पूर्ण बाल विकास का अवलोकन और सम्पूर्ण बाल विकास और कलीसिया की सेवकाईयों के बीच सम्बन्धों पर विचार प्रदान करता है।
(www.forchildren.com/discover/church/child-church-and-mission- में भी उपलब्ध)

बाइबिल में बच्चे और बचपन

यह एक कार्यपुस्तिका है जो छात्रों को बच्चों की सेवकाई के कई पहलुओं का पता लगाने में सक्षम बनाता है, जिसमें उन्हें सिखाने के तरीके, माता-पिता की जिम्मेदारियाँ, और बच्चों से सम्बन्धित धार्मिक मुद्दे शामिल हैं। प्रत्येक अध्याय आपको बाइबिल के बच्चों के बारे में उदाहरण देता है, आपको उस अध्याय के विषय में मुख्य अंतर्दृष्टि मिलती है, और आप प्रभाव डालने वाले विचारों पर प्रश्न पूछते हैं जो आपको अध्याय के मुद्दों को लागू करने के बारे में सोचने के लिये प्रोत्साहित करते हैं। (www.forchildren.com/discover/child/children-and-childhood-in-the-bible- में भी उपलब्ध)

बाइबिल में बच्चे और परिवार

इस श्रृंखला का उद्देश्य शिक्षार्थियों को वचन में गहराई तक पहुँचने में मदद करना है यह देखने के लिये कि यह बच्चों और उनके बचपन के बारे में क्या कहता है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह श्रृंखला बच्चों के मूल्य और महत्व की समझ को बताने और मसीह की "पृथ्वी पर" के राज्य में उनकी भूमिका को इंगित करने और वर्णन करने को दर्शाता है। इस श्रृंखला में शामिल 6 पुस्तिकाओं में बच्चे से सम्बन्धित सैकड़ों आयतें पाई जाती हैं। इसके अलावा, इन अध्ययनों से पता चलता है कि बच्चे बाइबिल के संदेश को उजागर करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं- कि परमेश्वर उनसे प्रेम करता है और उनकी रक्षा करता है; कि वे परमेश्वर की बातें समझने में बेहद समझदार हैं; और यह कि परमेश्वर अक्सर उन्हें अपने दूतों और उदाहरणों के रूप में तैनात करता है। (www.forchildren.com/discover/child/children-and-families-in-the-bible- में भी उपलब्ध)

ED.tv को समझाना

कई भाषाओं में 4/14 विंडो मूवमेंट से चलचित्र, साक्षात्कार और सम्मेलन वार्ताएँ दिखाई जाती हैं।
(www.youtube.com/channel/UCHZ2l5aBAOX9Dr1cQb33cNw– में भी उपलब्ध)

लघु चलचित्र वीडियो का उद्देश्य

कलीसियाओं, अगुवों और संगठनों की सहायता करने के लिये एक लघु चलचित्र वीडियो यह बताते हैं कि बच्चों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण क्यों होता है। बच्चों के लिये साझेदारी के साथ मिलकर काम करने के बारे में हमारे दृष्टिकोण को मूल रूप से बदलने के लिये विचार प्रस्तुत किए जाते हैं। यह चलचित्र 11 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लिये उपयुक्त है। (www.max7.org/en/resource/aimlower- में भी उपलब्ध)

TODAY वीडियो

बच्चे हमेशा परमेश्वर की योजना का एक हिस्सा रहे हैं। परमेश्वर बच्चों के साथ सेवकाई में कुछ आश्चर्यजनक बातें करता है। आज- वह जो भी कर रहा है क्या आप उसमें भागी होना चाहते हैं? यह सेवा के अगुवों, कलीसियाओं और प्रशिक्षकों के लिये उपयुक्त है।
(www.max7.org/en/resource/TODAY- में भी उपलब्ध)

हर बच्चे तक पहुँचना वीडियो

सुसमाचार के साथ दुनिया में हर बच्चे तक पहुँचने का संदेश, यहाँ दो भागों में प्रस्तुत किया गया है। साथ में, वीडियो पटाया स्केल पर लिखी गई कुछ सूचनाओं की रूपरेखा देती है - एक विचार जो लॉसेन फोरम – चिल्ड्रेन्'स इसू से आया था। यह समझना उपयोगी है कि बच्चों के साथ काम करने का अर्थ क्या है और यह भी कि यीशु के प्रति एक बच्चे का पूरा मार्ग - यीशु के पूरी तरह से एक अनुयायी के रूप में दुनिया में यीशु के काम में भाग लेने के बारे में अनजान होने से है। इन वीडियो को कलीसियाओं और अगुवों को और बच्चों और परिवारों की सेवकाई के लिये दिखाना सबसे उपयुक्त है। (www.max7.org/en/resource/ReachEveryChild1- में भी उपलब्ध)

एक बच्चे की आवाज

बच्चे परमेश्वर के उद्धार के प्रेम के संदेश को बाँटना चाहते हैं, लेकिन क्या हम उन्हें ऐसा करने की अनुमति देते हैं? क्या हम उन्हें मदद कर रहे हैं या उन्हें बाधा डाल रहे हैं? यह एक बच्चे के दृष्टिकोण से इन सवालों को देखता है। (www.max7.org/en/resource/voiceofachildmission– में भी उपलब्ध)

प्रशिक्षण

1फर50 बारह प्रशिक्षण

रचनात्मक और परस्पर संवादात्मक 1का 50 केन्द्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। मूल स्तर पर 1का 50 दृष्टि के लिये आवश्यक छः बातों को पूरा करता है। प्रशिक्षक के मार्गदर्शन और भागीदार की टिप्पणी शामिल हैं। (www.1for50share.net/filecat/training-curriculum/– में भी उपलब्ध)

परिवार और परवरिश प्रशिक्षण

यह 13-पाठ प्रशिक्षण का एक भाग जो माता-पिता को अपने बच्चों को यीशु के चेलों के रूप में ऊपर उठाने के काम में और उन्हें अपनी पूर्ण क्षमता तक बढ़ने में मदद करने के लिये तैयार करता है। प्रशिक्षक के मार्गदर्शन और भागीदार की टिप्पणी शामिल हैं। (www.1for50share.net/media/family-and-parenting-training-module/– में भी उपलब्ध)

सीखना, कार्य रूप देना, सिखाना

बच्चों से सम्बन्धित आपके कौशल को बढ़ाने के लिये, बाइबिल की कहानियों को बताने और खेलों, गीतों और प्रार्थना का उपयोग करने के लिये 10 सप्ताह का पाठ्यक्रम। यह बाल समूहों में उपयोग करने के लिये तैयार किया गया है और जिन गुणों को सिखा जाता है उसका अभ्यास करना भी शामिल है। (www.max7.org/en/resource/learnactteach – में भी उपलब्ध)

बच्चे और युवा: खेल और सामुदायिक सहभागिता

यह बच्चों और युवाओं का किट आगे बढ़ने की तैयारी को बहुपयोगी योजना से प्रशिक्षण सामग्री का एक आयु-विशेष निचोड़ है। बच्चों और युवाओं को चेले बनाने वाले चेले बनने के लिये अपने अगुवों को तैयार करने के लिये इन प्रशिक्षण सत्रों का उपयोग करें। यह उन्हें समझने, उन्हें सशक्त बनाने और बच्चे, युवाओं और सामुदायिक सहभागिता के लिये आसानी से बहुपयोगी योजनाबद्ध कार्यक्रम प्रदान करने के माध्यम से किया जाता है। (www.readysetgo.ec में भी उपलब्ध)

क्षमता को बढ़ानेवाला किट

ये मैनुअल विचारों, कौशल और प्रक्रियाओं का एक संग्रह है जो दुनिया भर से प्राप्त स्रोत है। इन सभी पुस्तिकाओं को लिखा गया है और चेला-निर्माण के क्षेत्र में क्षमता बढ़ाने के लिये दिया जाता है। इसमें संसाधन उत्पादन, संपादन, रचनात्मकता, शारीरिक गतिविधि, सीखना मौखिक प्राथमिकता और कई और अधिक बातें शामिल हैं। (www.max7.org/en/library/capacitybuildingkits– में भी उपलब्ध)

एकसाथ बच्चों के नेटवर्क प्रशिक्षण

केवल एकसाथ काम करने के जरिए हम शहर बनाने की उम्मीद कर सकते हैं, और शायद एक दिन पूरे देश भी, जहाँ बच्चों को सुरक्षा, देखभाल और सम्मान दिया जाता है कि परमेश्वर उनके लिये चाहता हैं कि उन्हें मिले। यह एक साथ काम करने का एक उदाहरण है जिसने हजारों बच्चों के जीवन को बदल दिया है। (http://learn.viva.org/- – में भी उपलब्ध)

करते हुए

पाठ्यक्रम की शिक्षा और वीडियो

बिब्लेमैक्स पाठ

प्रथम चरण (3-6 वर्ष): ये पाठ बच्चों को परमेश्वर की बुनियादी अवधारणाओं को पेश करने के लिये डिज़ाइन किया गया है, वे कौन हैं, उनके लिये परमेश्वर का प्रेम और उसके साथ उनका रिश्ता कैसे हो सकता है। वे छोटे बच्चों के लिये एक प्रेमपूर्ण वातावरण प्रदान करने में और जिस तरीके से वे अच्छा से अच्छा सीख सकते हैं उनमें आपकी सहायता करना चाहते हैं। (www.max7.org/en/library/FirstSteps- में भी उपलब्ध)

7तरीके (7-12 वर्ष): इसमें आपके पाठों में अधिक विविधता की योजना बनाने और अपने बच्चों को सीखने की शक्तियों को सिखाने में सहायता करने के लिये अगुवों का प्रशिक्षण मार्गदर्शिका शामिल है। ये पाठ एक सेट में एक-दूसरे से जुड़ने की योजना है, और प्रत्येक इकाई को आपके बच्चों की सेवकाई की आवश्यकताओं के अनुसार क्रम में रखा या बाहर किया जा सकता है। न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करने के लिये पाठों को लिखा गया है। प्रत्येक सेट 5 पाठों का एक समूह है। (www.max7.org/en/library/BibleMAX- में भी उपलब्ध)

बाइबिल वीडियो

यह वीडियो का एक संग्रह है जो मैक्स7 वेबसाइट पर उपलब्ध है। वे बाइबिल की और यीशु की कहानियों को बच्चों को दिखाते हैं। वे मुफ्त में किसी भी सेटिंग में डाउनलोड करने और उपयोग करने के लिये हैं। (www.max7.org/en/library/cartoonsanimated- में भी उपलब्ध)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम

सम्पूर्ण बाल विकास (एचसीडी) बच्चों को सिखाने की एक विधि और व्यक्तित्व के उन सभी पहलुओं के सम्बन्ध में बच्चों को आकार देने का एक तरीका है- उनका शरीर, उनका मन, उनका हृदय, और उनकी आत्मा। किसी व्यक्ति के सभी अंग आपस में अच्छी तरह से जुड़े हुए होते हैं और अलग-अलग व्यक्तित्व के रूप में समझे नहीं जा सकते। बच्चों के रूप में हम क्या सीखते हैं, जो हम वयस्क बन जाते हैं; यही कारण है कि सम्पूर्ण बाल विकास बच्चों को अच्छी तरह सन्तुलित, परिपक्व वयस्क होने के लिये तैयार करता है, किसी भी बात की घटी नहीं होती (याकूब 1:4)। यह सम्पूर्ण बाल विकास पाठ्यक्रम चार क्षेत्रों पर केन्द्रित है: आत्मिक, शारीरिक, बौद्धिक, और सामाजिक-भावनात्मक। (www.forchildren.com/link-core-curriculum/– में भी उपलब्ध)

टुडे फॉर टुमारो

इस पाठ्यक्रम को जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में लिखा गया था ताकि एचआईवी-एड्स से तबाह हो रहे समुदायों में बढ़ रहे बच्चों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। इन बच्चों को यौन क्रिया की एक बहुत खुली और ईमानदार चर्चा की जरूरत है। इसलिये, इन सब पाठों में आपको हमारे शरीर (चित्रों के साथ) और पुरुष और महिला के यौन अंगों की चर्चा देखने को मिलेगा। यौन संभोग और अन्य यौन व्यवहारों को समझाया गया है। संयम प्रोन्नत सुरक्षा की प्राथमिक विधि है, लेकिन कंडोम का भी उल्लेख किया गया है। प्रस्तुत संकल्पनाओं में से कई - जैसे आत्म-मूल्य और व्यक्तिगत चरित्र को विकसित करना और जो सही है उसके लिये एक साथ खड़े होना – जो बच्चों को अन्य सामाजिक दबावों का सामना करने में भी सहायक हैं। (www. sim.org.za/wp-index.php/project/today-for-tomorrow - – में भी उपलब्ध)

17 कहानियाँ

कहानियों की एक श्रृंखला जो सृष्टि से क्रूस तक उद्धार की बड़ी कहानी को बताती है। जिसमें बच्चों के लिये छोटी छोटी चित्रों को शामिल करता है जो एकसाथ मिलकर सुसमाचार की एक बड़ी तस्वीर बनाने के लिये बिल्कुल सही होते हैं। सभी बच्चों के लिये उपयुक्त मने जाते हैं, लेकिन विशेषकर कम शिक्षा प्राप्त वाले बच्चों के लिये बनाया जाता है। बहुत से यादगार समयों, गतिविधियों और कहानी बताए जाते हैं। सभी उम्र कम शिक्षित/अशिक्षित बच्चों के लिये उपयुक्त होता है। (www.onehope.net– में भी उपलब्ध)

बेस्ट सीक्रेट एवर कार्ड्स

ये बच्चों को सिखाने की एक पद्धति है कि वे कार्डों के एक समूह का इस्तेमाल करके मसीह के लिये उनके दोस्तों तक पहुँचा जा सके। 14 कार्ड बच्चों के साथ सुसमाचार को बाँटने में एक अगुवा की मदद करते हैं। बच्चे तब अपने मित्रों और परिवार के साथ कार्ड और उनके संदेश बाँटने में सक्षम होते हैं। प्रशिक्षकों की एक पुस्तिका भी दिया जाता है जो अगुवों को कार्ड का इस्तेमाल करने से बच्चों को सिखाने में सहायता करता है। इन संसाधनों को स्मार्टफोन / मोबाइल फोन पर बाँटने के लिये स्वरूपित किया जाता है। (www.max7.org/en/resource/bestsecretevercardsmobile– में भी उपलब्ध)

शिष्यत्व के कार्यक्रम

किड्सहब्स

किड्सहब्स एक वैश्विक शिष्य-निर्माण योजना है। यह एक तरीका है कि अगुवे एक विशेष रुचि के आस-पास एक छोटे समूह में ईश्वरीय चालचलन के तरीकों का उल्लेख कर सकते हैं। किड्सहब्स बच्चों के अनुशासन, सलाह और सम्बन्धों के निर्माण करने के बारे में है: उन्हें प्रासंगिक और उद्देश्यपूर्ण निपुणता सिखाने; बाइबिल के माध्यम से यीशु को खोजने के लिये उन्हें इंगित करके उनका विश्वास बढ़ाना; अगुवे और बच्चे क दूसरे के साथ अपने जीवन को सत्य अधिकारिक रूप से साझा करते हुए एक विश्वास समुदाय से सम्बन्धित भावना को प्रोत्साहित करते हैं। (www.kidshubs.com– में भी उपलब्ध)

किड्सहब्स टीवी बच्चों और उनके अगुवों के बारे में शो और वीडियो हैं जो मज़ेदार गुणों को सीखते हैं, बाइबिल से खोज करते हैं, और एक साथ यीशु का अनुसरण करते हैं। बच्चों के किड्सहब टीवी वेबसाइट में विभिन्न प्रकार के बाइबिल और अच्छी बातों को सीखने के वीडियो शामिल हैं, जो कि दुनियाभर के टीवी शो में दिखाए जाते हैं। (www.kidshubsTV.com- में भी उपलब्ध)

किड्स गेम्स

किड्सगेम्स 6-14 साल के बच्चों के लिये एक खेलकूद और खेल कार्यक्रम है। बच्चों के गेम सकारात्मक जीवन मूल्य को दर्शाते हैं। यह रिश्ते पुल बनाने और स्वस्थ, सक्रिय बच्चों को विकसित करने के लिये खेल की शक्ति का उपयोग करता है। यह बच्चों को जीवन के बारे में महत्वपूर्ण संदेश सीखने में मदद करता है और उन्हें करुणा और सामुदायिक भावना विकसित करने के अवसर प्रदान करता है।
(http://www.kidsgames.com/en/gameshome.aspx– में भी उपलब्ध)

उबाबलो

उबाबलो (जिसका अर्थ है षोसा में 'अनुग्रह') अफ्रीका में पिताहीनता की चुनौती को सम्बोधित करने के लिये शुरू किया गया। उबाबलो कोच खेल के क्षेत्र में नियमित प्रशिक्षण सत्रों के दौरान बेहतर जीवन मूल्यों को विकसित करने के लिये जीवन के एक सूक्ष्मजगत के रूप में खेल का उपयोग करता है। यह खिलाड़ी के जीवन में कोच को एक प्रभावी रोल मॉडल / पिता-स्वरूप / संरक्षक बनाने में सक्षम बनाता है। इस प्रकार कोच खेल प्रशिक्षण सत्र के दौरान सिखाने योग्य क्षणों का प्रभावी उपयोग करने में सक्षम होता है ताकि जीवन के सभी क्षेत्रों में खिलाड़ियों के जीवन को प्रभावित किया जा सके, इस प्रकार एक 'सम्पूर्ण जीवन कोच' बन जाता है। प्रत्येक खेल योग्यता एक सम्बन्धित बाइबिल मूल्य से जुड़ा हुआ होता है जिसे द्वि-साप्ताहिक / त्रि-साप्ताहिक खेल प्रशिक्षण के भाग के रूप में सिखाया जाता है। ये मूल्य बाइबिल आधारित शिष्यत्व के लिये खुले द्वार के रूप में काम करते हैं।
(www.ubabalo.max7.org/en– में भी उपलब्ध)

विश्व युवा लोगों का मंच

इन मंचों का लक्ष्य बच्चों और युवाओं को अपने विचार बाँटने के लिये एक स्थान प्रदान करता है और उनकी आवाज कि वे यीशु के साथ अपने रिश्ते में कैसे बढ़ सकते हैं और अपने साथियों के साथ बाँट सकते हैं सुनाई जाती है ।

वे बच्चों और युवाओं के समूहों को अपने साथियों के साथ स्थानीय स्तर पर और वैश्विक रूप से ऑनलाइन लिंक अप के माध्यम से जोड़ना चाहते हैं।

जोखिम में फँसे बच्चों का कार्यक्रम

कावा

कावा एक इब्रानी शब्द है जिसका अर्थ है "एक साथ जुड़े रहना, उत्सुकतापूर्वक प्रतीक्षा, आशा करना और अपेक्षा रखना।" यह शब्द एक साथ काम करने के विचार के साथ-साथ आशावाद और आशा की भावना को प्राप्त करता है, जो सकारात्मक, स्थायी परिवर्तन के लिये आवश्यक है। कावा स्थानीय कलीसियाओं के लिये संसाधनों की एक श्रृंखला है, जो समुदाय की आवश्यकताओं के साथ काम करने की योग्यता को बनाने और उनके जवाब देने का प्रयास करता है। इसमें एक मार्गदर्शक, आठ सवाल जवाब पेपर, छः मैनुअल और सहायक संसाधन शामिल होते हैं।
(www.forchildren.com/discover/church/qavah– में भी उपलब्ध)

कम्युनिटी हेल्थ इवांगेलिस्म

सामुदायिक स्वास्थ्य सुसमाचार प्रचार एक सम्पूर्ण सेवकाई की योजना है जो मूल रूप से सुसमाचार प्रचार, शिष्यत्व और समुदाय स्वास्थ्य और विकास के साथ कलीसिया रोपण करता है। Community Health Evangelism (CHE) एक मसीह केन्द्रित शिक्षा कार्यक्रम है जो समुदायों को सकारात्मक, टिकाऊ परिवर्तन प्राप्त करने के लिये मुद्दों की पहचान करने और संसाधनों को संगठित करने के लिये तैयार करता है। बच्चों के लिये CHE इस प्रक्रिया में बच्चों को शामिल करने, उन्हें नए हुनर सिखाने और समस्याओं को पहचानने और सुलझाने की अपनी क्षमता का निर्माण करना चाहता है। उपकरण सामग्री में ऑनलाइन उपलब्ध अधिक संसाधनों के साथ कुछ परिचयात्मक सत्र शामिल होते हैं। (www.chenetwork.org/- – में भी उपलब्ध)

पारिवारिक कार्यक्रम

पारिवारिक बातचीत

हम मानते हैं कि आजकल परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों का जवाब प्रत्येक देश के लोगों के भीतर मिल जाता है। हम समान सांस्कृतिक और भाषा संदर्भों के भीतर लोगों के सम्मेलनों को देखने के लिये काम कर रहे हैं जो परिवारों को मजबूत करने में मदद करने वाली देशव्यापी पहल को उत्पन्न करते हैं। देश वार्तालाप पैक आपको आपके देश में बातचीत चलाने के लिये आवश्यक सभी सामग्रियों को देता है।
(www.letstalkfamily.org/hold-a-conversation– में भी उपलब्ध)

परिवारों के लिये 7 तरीके

इस मार्गदर्शन का उपयोग उन सभी प्रकार के परिवारों द्वारा किया जा सकता है जो प्रतिदिन की गतिविधियों में अपने मसीही विश्वास को एकसाथ खोजना चाहते हैं। छोटे बच्चों और नवयुवकों के लिये प्रार्थना करने, बातचीत करने, आराधना करने और विचारों का आदान-प्रदान करने के 77 अलग-अलग तरीके बताए गए हैं। (www.max7.org/en/resource/7waysfamilies-में भी उपलब्ध है।)

अपने परिवारों के लिये प्रार्थना करने के लिये बच्चों का विश्वव्यापी दिवस

यह गतिविधि अपने प्रिय परिवार के लिये परमेश्वर की मूल रचना को महत्व देने और अपने समुदायों में परिवारों को और अन्य लोगों को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने में बच्चों की सहायता के लिये तैयार किया गया है।

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

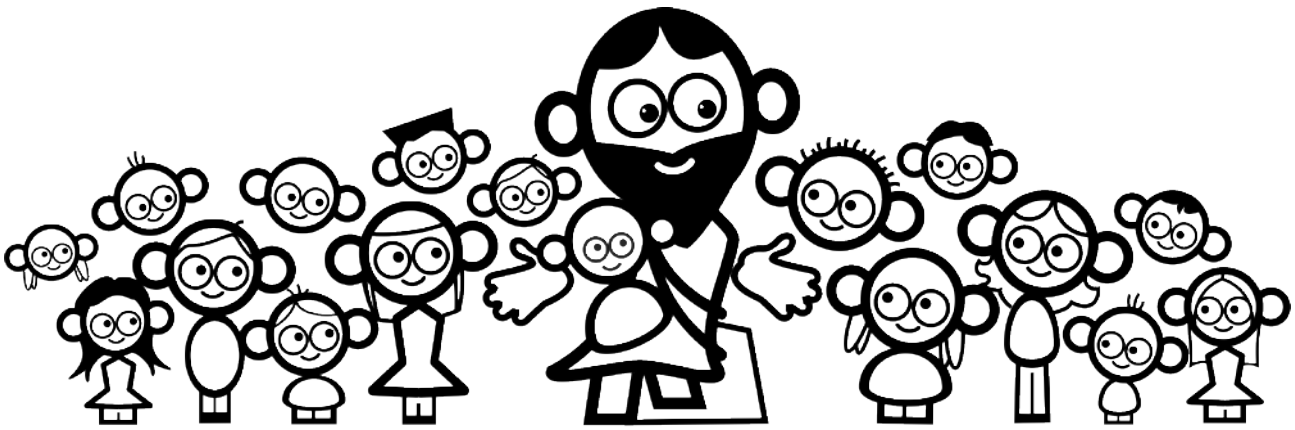

बच्चों को मेरे पास आने दो

बच्चे

उन्हें परमेश्वर की दृष्टिकोण से देखना

हर जगह

उनकी दुनिया में प्रवेश करना

यीशु

दूसरों को यीशु से मिलाना

के साथ

सम्बन्धों के माध्यम से बढ़ना

चलते हैं

यात्रा में आगे बढ़ना